



कुंडली के प्रमुख चिन्ह

राशि		राशि-स्वामी		तत्व	स्वभाव	ग्रहों के गुण धर्म	
	मेष	♂	मंगल	अग्नि	चर	टेढ़ा	वक्री
	वृषभ	♀	शुक्र	पृथ्वी	स्थिर	रेखांकित	शत्रु-घर
	मिथुन	♂	बुध	वायु	द्विस्वभाव	डार्क	मित्र-घर
	कर्क	☾	चंद्र	जल	चर	☼	अस्त
	सिंह	☼	रवि	अग्नि	स्थिर	↑	उच्च
	कन्या	♂	बुध	पृथ्वी	द्विस्वभाव	↓	नीच
	तुला	♀	शुक्र	वायु	चर		
	वृश्चिक	♂	मंगल	जल	स्थिर	+	मित्र
	धनु	♂	गुरु	अग्नि	द्विस्वभाव	-	शत्रु
	मकर	♂	शनि	पृथ्वी	चर	*	सम
	कुंभ	♂	शनि	वायु	स्थिर	++	अधिमित्र
	मीन	♂	गुरु	जल	द्विस्वभाव	--	अधिशत्रु

विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी दशा में दी गई तारीख दशा की समाप्ति तारीख है ।

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

Horoscope Print Date : 31/07/2021 17:06
 Print Mangal Dosh : Yes
 Special Effects : On
 Pagesize in Printer driver : Not A4



RADHIKA

लिंग -----: स्त्री	अयनांश -----: 23:48:49
जन्म तारीख -----: 19/11/1996	सी.पी. / के.पी. -----: CP
जन्म दिन -----: मंगलवार	सूर्योदय -----: 06:44:03
जन्म समय -----: 11:18:00 am	सूर्यास्त -----: 17:41:33
इष्टकाल (घटी) -----: 11:24:51	दिन मान -----: 10:57:29
स्थान -----: Indore	
देश -----: India	Module-----: BCA(721)
अक्षांश -----: 022:43:N	चंद्र राशि (पाया) -----: कुंभ (चांदी)
रेखांश -----: 075:53:E	राशि अक्षर -----: ग श स
मध्य रेखांश -----: +05:30	सूर्य राशी(पाश्चात्य) -----: वृश्चिक
युद्ध / ग्रीष्म समय -----: 00 / 00	तिथि -----: शुक्ल - 9
स्थानिक समय संस्कार -----: -0:26:28	नक्षत्र -----: शततारका (4)
स्थानिक समय -----: 10:51:32	नक्षत्र अक्षर -----: सू
सांपत्तिक काल -----: 14:45:43	नक्षत्र पाया -----: तांबा
अयन -----: दक्षिण	योग -----: व्याघात
गोल -----: दक्षिण	करण -----: कौलव
ऋतु -----: हेमंत	शक सवंत् -----: 1918 - धातृ
विंशोत्तरी भोग्यदशा -----: राहू : 01-05-05	हिन्दू महिना (का.) -----: 2053 - कार्तिक
अष्टोत्तरी भोग्यदशा -----: गुरु : 06-10-01	हिन्दू महिना (चै) -----: 2053 - कार्तिक

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

॥ Om Shri Ganeshaya Namah ॥



BEAWAR COMPUTER ACADEMY
(Horoscope Specialist from more than Two Decade)
 (1st Online Horoscope making Website of Rajasthan)
 (New Year Search "VIVHA" Program, Possible date)

BURAD, Narsingh Street
 BEAWAR-305 901 (RAJASTHAN-INDIA)
 Website : www.onlinehoro.com
 E-mail : burad@onlinehoro.com
 +91-01462-254322

RADHIKA

पंचांग (निरयन)

वर्ग		आरंभ	अंत
राशी	मकर	16/11/1996 00:20	18/11/1996 02:59
	✓ कुंभ	18/11/1996 02:59	20/11/1996 06:21
	मीन	20/11/1996 06:21	22/11/1996 10:45
तिथी	शुक्ल - 8	17/11/1996 19:42	18/11/1996 17:40
	✓ शुक्ल - 9	18/11/1996 17:40	19/11/1996 15:48
	शुक्ल - 10	19/11/1996 15:48	20/11/1996 14:08
नक्षत्र	धनिष्ठा	17/11/1996 15:41	18/11/1996 14:19
	✓ शततारका	18/11/1996 14:19	19/11/1996 13:08
	पू.भाद्र	19/11/1996 13:08	20/11/1996 12:07
योग	ध्रुव	17/11/1996 18:32	18/11/1996 15:40
	✓ व्याघात	18/11/1996 15:40	19/11/1996 12:57
	हर्षण	19/11/1996 12:57	20/11/1996 10:23
करण	बालव	18/11/1996 17:40	19/11/1996 04:43
	✓ कौलव	19/11/1996 04:43	19/11/1996 15:48
	तैत्तिळ	19/11/1996 15:48	20/11/1996 02:57

अवकहड़ा चक्र	
योग	व्याघात
करण	कौलव
वर्ण	शुद्र
तत्व	वायु
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
योनी	अश्व
गण	राक्षस
युंजा	अंत्य
नाड़ी	आध

घात चक्र	
मास	चैत्र
तिथि	3-8-13
दिवस	गुरुवार
नक्षत्र	आर्द्रा
योग	गंड
करण	किंस्तुघ्न
प्रहर	3
चंद्र	धनु
स्त्रीचंद्र	मिथुन

साडेसाती विचार

साडेसाती	16/02/1996	-	17/04/1998
छोटी पनोती	07/06/2000	-	07/04/2003
छोटी पनोती	10/09/2009	-	04/08/2012
साडेसाती	24/01/2020	-	23/02/2028
छोटी पनोती	08/08/2029	-	31/05/2032
छोटी पनोती	22/10/2038	-	26/09/2041
साडेसाती	06/03/2049	-	07/04/2057
छोटी पनोती	27/05/2059	-	07/03/2062

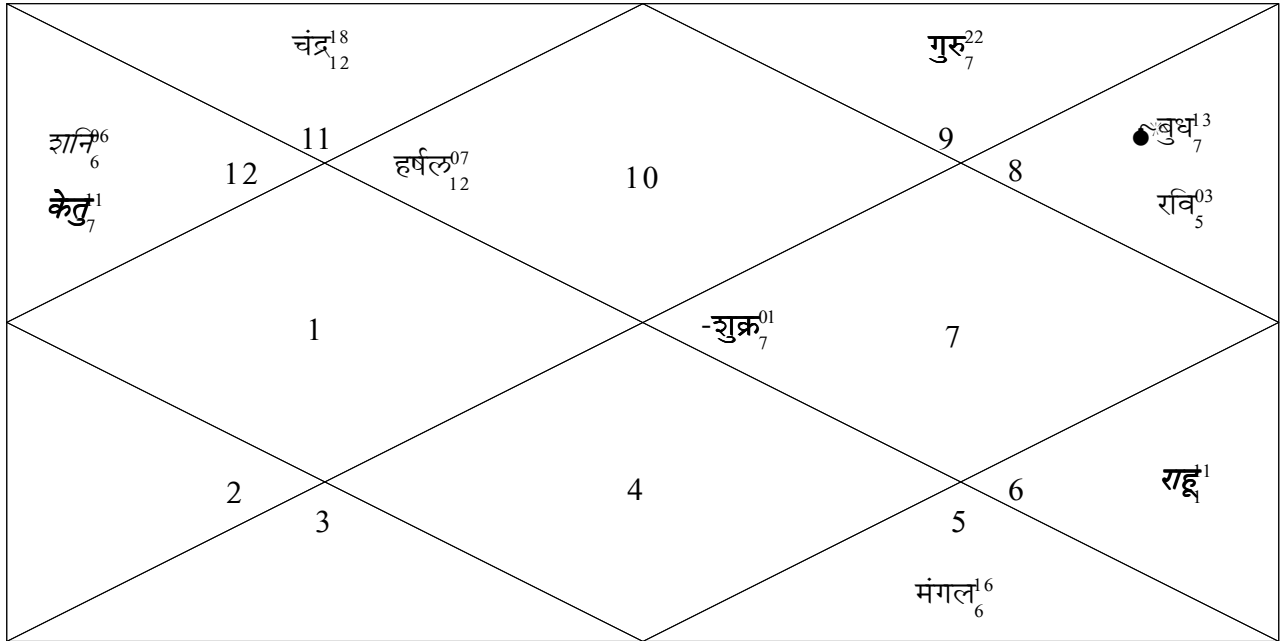
RADHIKA

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	मकर 06:37:22	उ.षाढा 3	शनि	रवि	बुध	-
रवि	वृश्चिक 03:22:00	अनुराधा 1	मंगल	शनि	शनि	मृत
चंद्र	कुंभ 18:56:17	शततारका 4	शनि	राहू	चंद्र	वृद्ध
मंगल	सिंह 16:50:21	पूर्वा-फा. 2	रवि	शुक्र	चंद्र	युवा
बुध	वृश्चिक 13:12:38	अनुराधा 3	मंगल	शनि	राहू	युवा
गुरु	धनु 22:11:15	पू.षाढा 3	गुरु	शुक्र	शनि	वृद्ध
शुक्र	तुला 01:28:37	चित्रा 3	शुक्र	मंगल	बुध	बाल
शनि (व)	मीन 06:58:37	उ.भाद्र 2	गुरु	शनि	बुध	वृद्ध
राहू (व)	कन्या 11:30:17	हस्त 1	बुध	चंद्र	मंगल	वृद्ध
केतु (व)	मीन 11:30:17	उ.भाद्र 3	गुरु	शनि	चंद्र	वृद्ध
हर्षल	मकर 07:30:23	उ.षाढा 4	शनि	रवि	केतु	वृद्ध
नेप.	मकर 01:41:04	उ.षाढा 2	शनि	रवि	गुरु	मृत
प्लुटो	वृश्चिक 08:57:03	अनुराधा 2	मंगल	शनि	शुक्र	वृद्ध
मांदी	कुंभ 11:31:06	शततारका 2	शनि	राहू	शनि	-
भा.-सहंम	मेष 22:11:39	भरणी 3	मंगल	शुक्र	शनि	-

मंगलिक

लग्न कुंडली



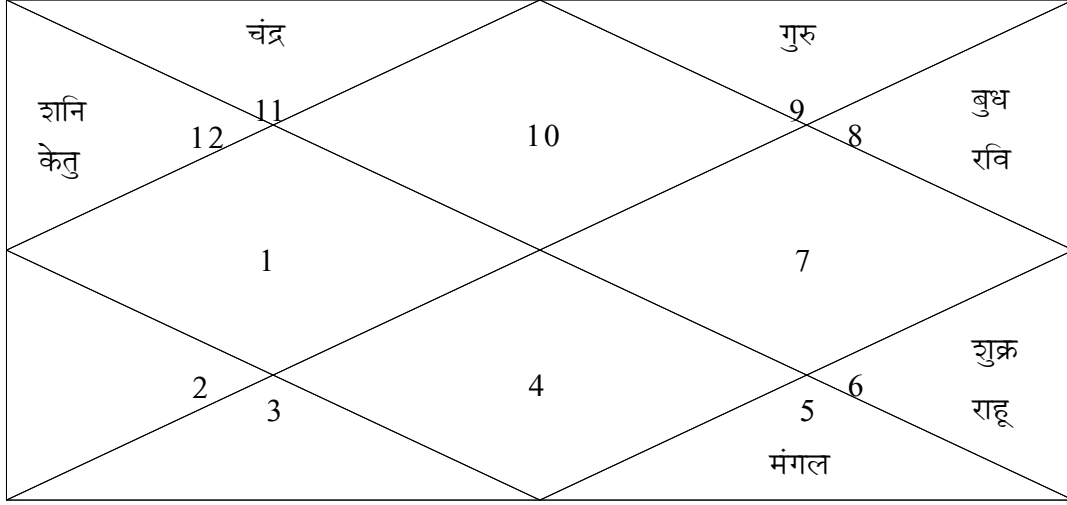
रवि >>> मंगल >>> रवि

वर्गोत्तम ग्रह : शुक्र, नेप.

- चिन्ह ग्रह की स्थिति चलित कुण्डली में पिछले भाव में निर्धारित करता है

RADHIKA

चलित कुंडली

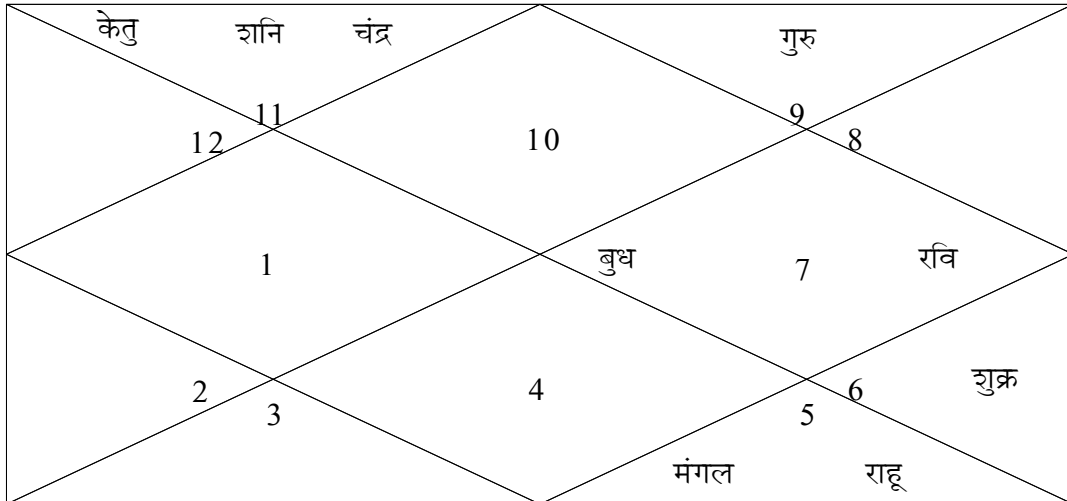


चलित भाव

कस्प भाव

भाव	आरंभ	मध्य	कस्प भाव	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा
1	धनु 23:51:52	मकर 06:37:22	मकर 06:37:22	शनि	रवि	बुध
2	मकर 23:51:52	कुंभ 11:06:21	कुंभ 13:24:48	शनि	राहू	बुध
3	कुंभ 28:20:51	मीन 15:35:21	मीन 19:24:03	गुरु	बुध	शुक्र
4	मेष 02:49:51	मेष 20:04:21	मेष 20:04:21	मंगल	शुक्र	राहू
5	वृषभ 02:49:51	वृषभ 15:35:21	वृषभ 16:02:30	शुक्र	चंद्र	शनि
6	वृषभ 28:20:51	मिथुन 11:06:21	मिथुन 10:18:56	बुध	राहू	गुरु
7	मिथुन 23:51:52	कर्क 06:37:22	कर्क 06:37:22	चंद्र	शनि	बुध
8	कर्क 23:51:52	सिंह 11:06:22	सिंह 13:24:48	रवि	शुक्र	शुक्र
9	सिंह 28:20:51	कन्या 15:35:21	कन्या 19:24:03	बुध	चंद्र	बुध
10	तुला 02:49:51	तुला 20:04:21	तुला 20:04:21	शुक्र	गुरु	गुरु
11	वृश्चिक 02:49:51	वृश्चिक 15:35:21	वृश्चिक 16:02:30	मंगल	शनि	गुरु
12	वृश्चिक 28:20:51	धनु 11:06:21	धनु 10:18:56	गुरु	केतु	शनि

कस्प कुंडली

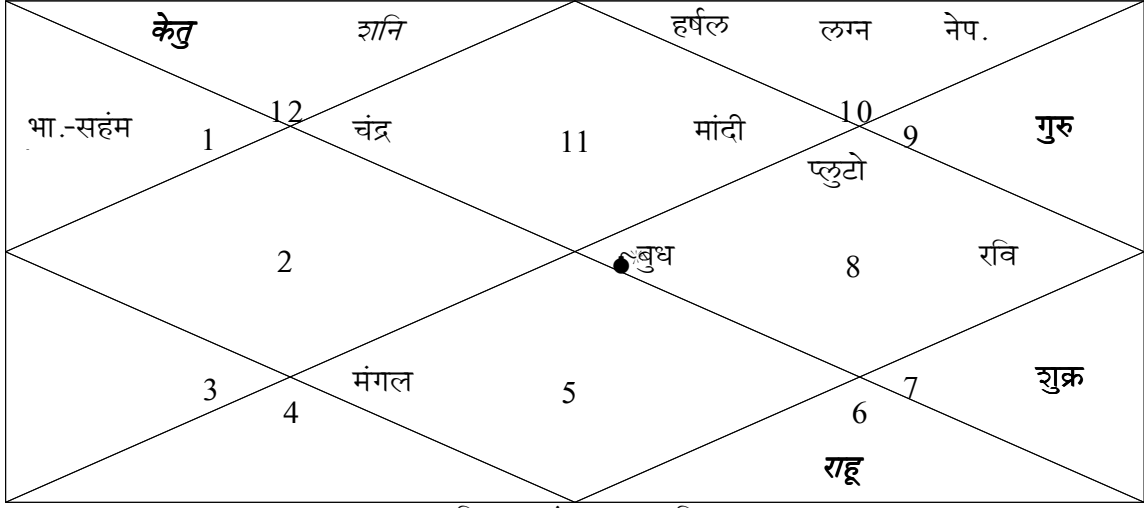


RADHIKA

ताराचक्र - नक्षत्र स्वामि

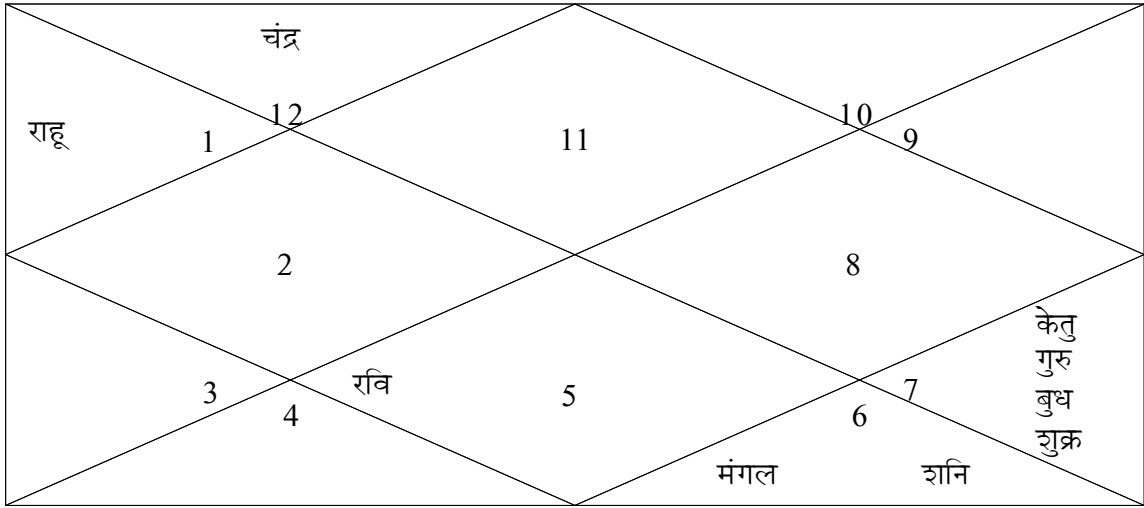
जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
शततारका	पू.भाद्र	उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा
स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा
राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	रवि	चंद्र	मंगल

चंद्र राशि कुंडली



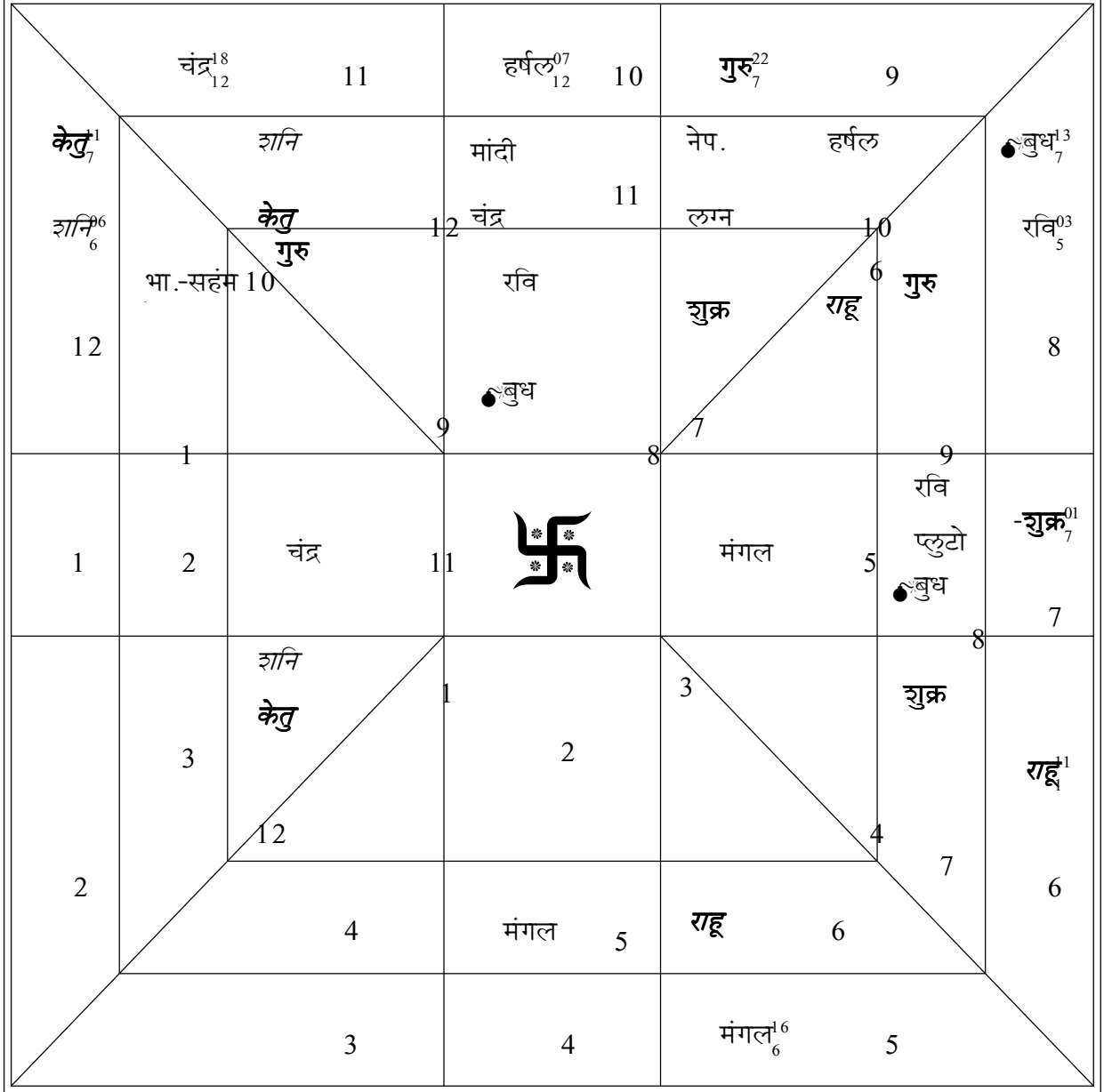
रवि >>> मंगल >>> रवि

नवमांश कुंडली



RADHIKA

सुदर्शन चक्र
लग्न कुण्डली
राशी कुण्डली
सूर्य कुण्डली



सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत्त से अन्त - वृत्त तक जन्मांग, चंद एवं कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाती है। किसी भाव का विचार करने के लिए भाव को प्रगट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

RADHIKA

ग्रह द्रष्टि विचार

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु	हर्षल	नेप.	प्लुटो
रवि		105	76	9	48 ssqr	31	123 trin	51	128 trin	64 sext	58 sext	5 conj
चंद्र			178 oppo	95 sqr	56 sext	137 sesq	18	157	22	41 ssqr	47 ssqr	99
मंगल				86 sqr	125 trin	44 ssqr	160	24	156	140	134 sesq	82 sqr
बुध					38	41 ssqr	113 trin	61 sext	118 trin	54 sext	48 ssqr	4 conj
गुरु						80	74 quin	100	79	15	9	43 ssqr
शुक्र							155	19	160	96 sqr	90 sqr	37
शनि								175 oppo	4 conj	59 sext	65 sext	118 trin
राहू									180 oppo	116 trin	110	57 sext
केतु										63 sext	69	122 trin
हर्षल											5 conj	58 sext
नेप.												52 sext

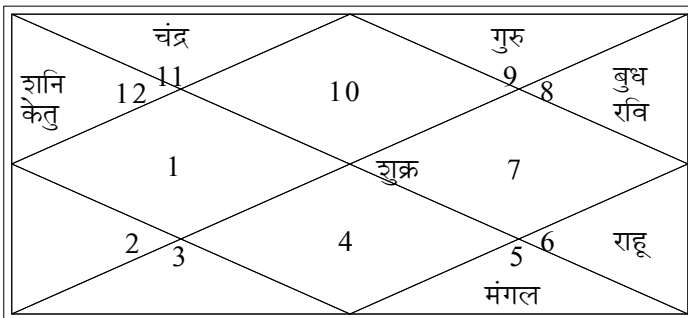
ग्रह	गति	शर	क्रांति	अस्त	अवस्था	भाव
रवि	01:00:33 -	00:00:00	-19:31:38	-	-	-
चंद्र	13:55:26 -	02:05:59	-04:49:56	-	-	-
मंगल	00:30:32 मध्यम	01:52:52	09:18:44	-	-	-
बुध	01:31:57 मध्यम	-01:29:45	-22:57:20	अस्त	-	-
गुरु	00:11:27 मध्यम	-00:16:49	-22:45:23	-	-	स्वग्रही
शुक्र	01:13:50 शीघ्र	01:48:47	-08:05:39	-	-	मूल त्रिकोण
शनि	-00:01:27 मध्यम	-02:31:26	-02:00:03	-	-	-
राहू	-00:03:10 -	00:00:00	00:00:00	-	-	स्वग्रही
केतु	-00:03:10 -	00:00:00	00:00:00	-	-	स्वग्रही

RADHIKA

विंशोत्तरी महादशा

(भोग्य दशा : राहू - 01 साल, 05 महीना, 05 दिन)

राहू (18)	19/11/1996 26/04/1998	आ यु	गुरु (16)	26/04/1998 26/04/2014	आ यु	शनि (19)	26/04/2014 26/04/2033	आ यु
-	-	-	s	गुरु 13/06/2000	3	-	शनि 29/04/2017	20
-	-	-	+	शनि 26/12/2002	6	-	बुध 07/01/2020	23
-	-	-	+	बुध 02/04/2005	8	S--	केतु 15/02/2021	24
-	-	-	+	केतु 08/03/2006	9	S*	शुक्र 17/04/2024	27
-	-	-	+	शुक्र 06/11/2008	11	S--	रवि 30/03/2025	28
-	-	-	++	रवि 26/08/2009	12	S+	चंद्र 29/10/2026	29
-	-	-	s+	चंद्र 26/12/2010	14	S-	मंगल 08/12/2027	31
S--	चंद्र 08/04/1997	1	*	मंगल 02/12/2011	15	s*	राहू 14/10/2030	33
*	मंगल 26/04/1998	1	+	राहू 26/04/2014	17	+	गुरु 26/04/2033	36
बुध (17)	26/04/2033 26/04/2050	आ यु	केतु (7)	26/04/2050 26/04/2057	आ यु	शुक्र (20)	26/04/2057 26/04/2077	आ यु
-	बुध 23/09/2035	38	S	केतु 22/09/2050	53	s	शुक्र 25/08/2060	63
-	केतु 19/09/2036	39	S*	शुक्र 22/11/2051	54	*	रवि 26/08/2061	64
s++	शुक्र 21/07/2039	42	S--	रवि 29/03/2052	55	-	चंद्र 26/04/2063	66
s-	रवि 26/05/2040	43	S*	चंद्र 28/10/2052	55	+	मंगल 26/06/2064	67
++	चंद्र 26/10/2041	44	S*	मंगल 26/03/2053	56	++	राहू 26/06/2067	70
*	मंगल 23/10/2042	45	S--	राहू 14/04/2054	57	s*	गुरु 24/02/2070	73
++	राहू 11/05/2045	48	S+	गुरु 21/03/2055	58	*	शनि 26/04/2073	76
*	गुरु 17/08/2047	50	S--	शनि 29/04/2056	59	++	बुध 25/02/2076	79
S*	शनि 26/04/2050	53	-	बुध 26/04/2057	60	*	केतु 26/04/2077	80
रवि (6)	26/04/2077 26/04/2083	आ यु	चंद्र (10)	26/04/2083 26/04/2093	आ यु	मंगल (7)	26/04/2093 26/04/2100	आ यु
-	रवि 13/08/2077	80	S	चंद्र 25/02/2084	87	-	मंगल 22/09/2093	96
++	चंद्र 12/02/2078	81	S*	मंगल 25/09/2084	87	*	राहू 11/10/2094	97
++	मंगल 20/06/2078	81	S--	राहू 27/03/2086	89	*	गुरु 16/09/2095	98
S*	राहू 15/05/2079	82	++	गुरु 27/07/2087	90	--	शनि 25/10/2096	99
S++	गुरु 02/03/2080	83	*	शनि 24/02/2089	92	s+	बुध 22/10/2097	100
S--	शनि 12/02/2081	84	s*	बुध 26/07/2090	93	s*	केतु 21/03/2098	101
S*	बुध 19/12/2081	85	s*	केतु 25/02/2091	94	s+	शुक्र 21/05/2099	102
S--	केतु 26/04/2082	85	--	शुक्र 25/10/2092	95	s++	रवि 26/09/2099	102
S*	शुक्र 26/04/2083	86	++	रवि 26/04/2093	96	s-	चंद्र 26/04/2100	103



Note:

- Dates specified above are ending dates.
- The sign besides date indicates the following :
 S = Sadesati s = Small Panoti
 + = Friend - = Enemy
 * = Neutral -- = Bitter Enemy
 ++ = Intimate

RADHIKA

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - राहू : 19/11/1996 - 26/04/1998

[illegible]

महादशा - गुरु : 26/04/1998 - 26/04/2014

गुरु	13/06/2000	+	शनि	26/12/2002	+	बुध	02/04/2005	+	केतु	08/03/2006	+	शुक्र	06/11/2008	
गुरु	08/08/1998	s	शनि	07/11/2000		बुध	22/04/2003		केतु	21/04/2005		शुक्र	18/08/2006	
+	शनि	09/12/1998	s-	बुध	18/03/2001	-	केतु	09/06/2003	*	शुक्र	17/06/2005	*	रवि	05/10/2006
+	बुध	30/03/1999	s--	केतु	11/05/2001	++	शुक्र	25/10/2003	--	रवि	04/07/2005	-	चंद्र	26/12/2006
+	केतु	14/05/1999	s*	शुक्र	12/10/2001	-	रवि	06/12/2003	*	चंद्र	02/08/2005	+	मंगल	20/02/2007
+	शुक्र	21/09/1999	s--	रवि	27/11/2001	++	चंद्र	13/02/2004	*	मंगल	22/08/2005	++	राहू	17/07/2007
++	रवि	30/10/1999	s+	चंद्र	13/02/2002	*	मंगल	01/04/2004	--	राहू	12/10/2005	*	गुरु	23/11/2007
+	चंद्र	03/01/2000	s-	मंगल	07/04/2002	++	राहू	03/08/2004	+	गुरु	26/11/2005	*	शनि	26/04/2008
*	मंगल	17/02/2000	*	राहू	24/08/2002	*	गुरु	21/11/2004	--	शनि	19/01/2006	++	बुध	11/09/2008
s+	राहू	13/06/2000	+	गुरु	26/12/2002	*	शनि	02/04/2005	-	बुध	08/03/2006	*	केतु	06/11/2008
++	रवि	26/08/2009	+	चंद्र	26/12/2010	*	मंगल	02/12/2011	+	राहू	26/04/2014			
	रवि	21/11/2008	s	चंद्र	05/10/2009	s	मंगल	15/01/2011		राहू	11/04/2012			
++	चंद्र	15/12/2008	s*	मंगल	03/11/2009	s*	राहू	07/03/2011	+	गुरु	06/08/2012			
++	मंगल	01/01/2009	s--	राहू	15/01/2010	s*	गुरु	21/04/2011	*	शनि	23/12/2012			
*	राहू	14/02/2009	s++	गुरु	21/03/2010	s--	शनि	14/06/2011	++	बुध	26/04/2013			
++	गुरु	25/03/2009	s*	शनि	06/06/2010	s+	बुध	01/08/2011	--	केतु	16/06/2013			
--	शनि	11/05/2009	s*	बुध	14/08/2010	s*	केतु	21/08/2011	++	शुक्र	09/11/2013			
*	बुध	21/06/2009	s*	केतु	11/09/2010	s+	शुक्र	17/10/2011	*	रवि	23/12/2013			
--	केतु	08/07/2009	s--	शुक्र	01/12/2010	s++	रवि	03/11/2011	--	चंद्र	06/03/2014			
*	शुक्र	26/08/2009	s++	रवि	26/12/2010	-	चंद्र	02/12/2011	*	मंगल	26/04/2014			

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा
महादशा - शनि : 26/04/2014 - 26/04/2033

शनि 29/04/2017	- बुध 07/01/2020	-- केतु 15/02/2021	* शुक्र 17/04/2024	-- रवि 30/03/2025
शनि 17/10/2014	बुध 15/09/2017	S केतु 31/01/2020	S शुक्र 27/08/2021	S रवि 04/05/2024
- बुध 22/03/2015	- केतु 12/11/2017	S* शुक्र 07/04/2020	S* रवि 23/10/2021	S++चंद्र 02/06/2024
-- केतु 25/05/2015	++ शुक्र 24/04/2018	S-- रवि 27/04/2020	S- चंद्र 28/01/2022	S++मंगल 22/06/2024
* शुक्र 24/11/2015	- रवि 13/06/2018	S* चंद्र 31/05/2020	S+ मंगल 05/04/2022	S* राहू 13/08/2024
-- रवि 18/01/2016	++ चंद्र 03/09/2018	S* मंगल 24/06/2020	S++राहू 26/09/2022	S++गुरु 28/09/2024
+ चंद्र 19/04/2016	* मंगल 30/10/2018	S-- राहू 23/08/2020	S* गुरु 27/02/2023	S-- शनि 22/11/2024
- मंगल 22/06/2016	++ राहू 26/03/2019	S+ गुरु 16/10/2020	S* शनि 29/08/2023	S* बुध 10/01/2025
* राहू 03/12/2016	* गुरु 04/08/2019	S-- शनि 20/12/2020	S++बुध 09/02/2024	S-- केतु 31/01/2025
+ गुरु 29/04/2017	* शनि 07/01/2020	S- बुध 15/02/2021	S* केतु 17/04/2024	S* शुक्र 30/03/2025
+ चंद्र 29/10/2026	- मंगल 08/12/2027	* राहू 14/10/2030	+ गुरु 26/04/2033	
S चंद्र 17/05/2025	S मंगल 21/11/2026	राहू 12/05/2028	s गुरु 14/02/2031	
S* मंगल 19/06/2025	S* राहू 21/01/2027	+ गुरु 28/09/2028	s+ शनि 10/07/2031	
S-- राहू 14/09/2025	S* गुरु 16/03/2027	* शनि 11/03/2029	s+ बुध 19/11/2031	
S++गुरु 30/11/2025	S-- शनि 19/05/2027	++ बुध 06/08/2029	s+ केतु 12/01/2032	
S* शनि 02/03/2026	+ बुध 16/07/2027	-- केतु 06/10/2029	+ शुक्र 14/06/2032	
S* बुध 23/05/2026	* केतु 08/08/2027	++ शुक्र 28/03/2030	++ रवि 30/07/2032	
S* केतु 26/06/2026	+ शुक्र 15/10/2027	s* रवि 19/05/2030	+ चंद्र 15/10/2032	
S-- शुक्र 30/09/2026	S++रवि 04/11/2027	s-- चंद्र 14/08/2030	* मंगल 08/12/2032	
S++रवि 29/10/2026	S- चंद्र 08/12/2027	s* मंगल 14/10/2030	+ राहू 26/04/2033	

महादशा - बुध : 26/04/2033 - 26/04/2050

बुध 23/09/2035	- केतु 19/09/2036	++ शुक्र 21/07/2039	- रवि 26/05/2040	++ चंद्र 26/10/2041
बुध 29/08/2033	केतु 14/10/2035	शुक्र 10/03/2037	s रवि 05/08/2039	s चंद्र 08/07/2040
- केतु 19/10/2033	* शुक्र 13/12/2035	* रवि 01/05/2037	s++चंद्र 31/08/2039	s* मंगल 07/08/2040
++ शुक्र 14/03/2034	-- रवि 31/12/2035	- चंद्र 26/07/2037	s++मंगल 18/09/2039	s-- राहू 24/10/2040
- रवि 27/04/2034	* चंद्र 30/01/2036	+ मंगल 25/09/2037	s* राहू 04/11/2039	s++गुरु 01/01/2041
++ चंद्र 10/07/2034	* मंगल 20/02/2036	++ राहू 27/02/2038	s++गुरु 15/12/2039	s* शनि 24/03/2041
* मंगल 30/08/2034	-- राहू 15/04/2036	* गुरु 15/07/2038	s-- शनि 02/02/2040	s* बुध 05/06/2041
++ राहू 09/01/2035	+ गुरु 02/06/2036	s* शनि 26/12/2038	s* बुध 17/03/2040	s* केतु 05/07/2041
* गुरु 06/05/2035	-- शनि 29/07/2036	++ बुध 21/05/2039	s-- केतु 04/04/2040	-- शुक्र 30/09/2041
* शनि 23/09/2035	- बुध 19/09/2036	s* केतु 21/07/2039	s* शुक्र 26/05/2040	++ रवि 26/10/2041
* मंगल 23/10/2042	++ राहू 11/05/2045	* गुरु 17/08/2047	* शनि 26/04/2050	
मंगल 16/11/2041	राहू 11/03/2043	गुरु 30/08/2045	शनि 20/01/2048	
* राहू 09/01/2042	+ गुरु 14/07/2043	+ शनि 08/01/2046	- बुध 07/06/2048	
* गुरु 26/02/2042	* शनि 08/12/2043	+ बुध 05/05/2046	-- केतु 03/08/2048	
-- शनि 25/04/2042	++ बुध 18/04/2044	+ केतु 22/06/2046	* शुक्र 14/01/2049	
+ बुध 15/06/2042	-- केतु 11/06/2044	+ शुक्र 07/11/2046	-- रवि 04/03/2049	
* केतु 06/07/2042	++ शुक्र 14/11/2044	++ रवि 19/12/2046	S+ चंद्र 25/05/2049	
+ शुक्र 04/09/2042	* रवि 30/12/2044	+ चंद्र 26/02/2047	- मंगल 22/07/2049	
++ रवि 23/09/2042	-- चंद्र 18/03/2045	* मंगल 15/04/2047	S* राहू 16/12/2049	
- चंद्र 23/10/2042	* मंगल 11/05/2045	+ राहू 17/08/2047	S+ गुरु 26/04/2050	

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा
महादशा - केतु : 26/04/2050 - 26/04/2057

केतु 22/09/2050	* शुक्र 22/11/2051	-- रवि 29/03/2052	* चंद्र 28/10/2052	* मंगल 26/03/2053
S केतु 05/05/2050	S शुक्र 02/12/2050	S रवि 29/11/2051	S चंद्र 16/04/2052	S मंगल 06/11/2052
S* शुक्र 30/05/2050	S* रवि 24/12/2050	S++चंद्र 09/12/2051	S* मंगल 28/04/2052	S* राहू 28/11/2052
S-- रवि 06/06/2050	S- चंद्र 28/01/2051	S++मंगल 17/12/2051	S-- राहू 30/05/2052	S* गुरु 18/12/2052
S* चंद्र 19/06/2050	S+ मंगल 22/02/2051	S* राहू 05/01/2052	S++गुरु 28/06/2052	S-- शनि 11/01/2053
S* मंगल 27/06/2050	S++राहू 27/04/2051	S++गुरु 22/01/2052	S* शनि 01/08/2052	S+ बुध 01/02/2053
S-- राहू 20/07/2050	S* गुरु 23/06/2051	S-- शनि 11/02/2052	S* बुध 31/08/2052	S* केतु 10/02/2053
S+ गुरु 09/08/2050	S* शनि 29/08/2051	S* बुध 29/02/2052	S* केतु 12/09/2052	S+ शुक्र 07/03/2053
S-- शनि 01/09/2050	S++बुध 29/10/2051	S-- केतु 08/03/2052	S-- शुक्र 18/10/2052	S+रवि 14/03/2053
S- बुध 22/09/2050	S* केतु 22/11/2051	S* शुक्र 29/03/2052	S+रवि 28/10/2052	S- चंद्र 26/03/2053
-- राहू 14/04/2054	+ गुरु 21/03/2055	-- शनि 29/04/2056	- बुध 26/04/2057	
S राहू 23/05/2053	S गुरु 29/05/2054	S शनि 24/05/2055	S बुध 19/06/2056	
S+ गुरु 13/07/2053	S+ शनि 22/07/2054	S- बुध 20/07/2055	S- केतु 10/07/2056	
S* शनि 12/09/2053	S+ बुध 09/09/2054	S-- केतु 13/08/2055	S++शुक्र 08/09/2056	
S++बुध 05/11/2053	S+ केतु 29/09/2054	S* शुक्र 19/10/2055	S- रवि 27/09/2056	
S-- केतु 28/11/2053	S+ शुक्र 24/11/2054	S-- रवि 09/11/2055	S++चंद्र 27/10/2056	
S++शुक्र 30/01/2054	S+रवि 11/12/2054	S+ चंद्र 12/12/2055	S* मंगल 17/11/2056	
S* रवि 19/02/2054	S+ चंद्र 09/01/2055	S- मंगल 05/01/2056	S++राहू 10/01/2057	
S-- चंद्र 23/03/2054	S* मंगल 29/01/2055	S* राहू 06/03/2056	S* गुरु 28/02/2057	
S* मंगल 14/04/2054	S+ राहू 21/03/2055	S+ गुरु 29/04/2056	* शनि 26/04/2057	

महादशा - शुक्र : 26/04/2057 - 26/04/2077

शुक्र 25/08/2060	* रवि 26/08/2061	- चंद्र 26/04/2063	+ मंगल 26/06/2064	++ राहू 26/06/2067
शुक्र 15/11/2057	s रवि 13/09/2060	चंद्र 15/10/2061	मंगल 21/05/2063	राहू 07/12/2064
* रवि 15/01/2058	s++चंद्र 13/10/2060	* मंगल 20/11/2061	* राहू 24/07/2063	+ गुरु 02/05/2065
- चंद्र 26/04/2058	s++मंगल 03/11/2060	s-- राहू 19/02/2062	* गुरु 19/09/2063	* शनि 22/10/2065
+ मंगल 06/07/2058	s* राहू 28/12/2060	++ गुरु 11/05/2062	-- शनि 25/11/2063	++ बुध 27/03/2066
++ राहू 05/01/2059	s++गुरु 15/02/2061	* शनि 16/08/2062	+ बुध 25/01/2064	-- केतु 30/05/2066
s* गुरु 16/06/2059	s-- शनि 14/04/2061	* बुध 10/11/2062	* केतु 19/02/2064	++ शुक्र 28/11/2066
s* शनि 26/12/2059	s* बुध 04/06/2061	* केतु 16/12/2062	+ शुक्र 30/04/2064	* रवि 22/01/2067
s++बुध 15/06/2060	s-- केतु 26/06/2061	-- शुक्र 27/03/2063	++ रवि 21/05/2064	-- चंद्र 23/04/2067
s* केतु 25/08/2060	* शुक्र 26/08/2061	++ रवि 26/04/2063	- चंद्र 26/06/2064	* मंगल 26/06/2067
* गुरु 24/02/2070	* शनि 26/04/2073	++ बुध 25/02/2076	* केतु 26/04/2077	
गुरु 03/11/2067	s शनि 26/08/2070	बुध 20/09/2073	केतु 21/03/2076	
+ शनि 05/04/2068	- बुध 06/02/2071	- केतु 19/11/2073	* शुक्र 31/05/2076	
+ बुध 21/08/2068	-- केतु 15/04/2071	++ शुक्र 10/05/2074	-- रवि 21/06/2076	
s+ केतु 17/10/2068	* शुक्र 25/10/2071	- रवि 01/07/2074	* चंद्र 26/07/2076	
s+ शुक्र 28/03/2069	-- रवि 21/12/2071	++ चंद्र 25/09/2074	* मंगल 20/08/2076	
s++रवि 16/05/2069	+ चंद्र 27/03/2072	* मंगल 25/11/2074	-- राहू 23/10/2076	
s+ चंद्र 05/08/2069	- मंगल 02/06/2072	++ राहू 29/04/2075	+ गुरु 19/12/2076	
s* मंगल 01/10/2069	* राहू 23/11/2072	* गुरु 14/09/2075	-- शनि 25/02/2077	
s+ राहू 24/02/2070	+ गुरु 26/04/2073	* शनि 25/02/2076	- बुध 26/04/2077	

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा
महादशा - रवि : 26/04/2077 - 26/04/2083

रवि	13/08/2077	++ चंद्र	12/02/2078	++ मंगल	20/06/2078	* राहू	15/05/2079	++ गुरु	02/03/2080
रवि	01/05/2077	चंद्र	29/08/2077	मंगल	20/02/2078	राहू	08/08/2078	S गुरु	23/06/2079
++ चंद्र	11/05/2077	* मंगल	08/09/2077	* राहू	11/03/2078	+ गुरु	21/09/2078	S+ शनि	08/08/2079
++ मंगल	17/05/2077	-- राहू	06/10/2077	* गुरु	28/03/2078	* शनि	12/11/2078	S+ बुध	18/09/2079
* राहू	02/06/2077	++ गुरु	30/10/2077	-- शनि	17/04/2078	++ बुध	29/12/2078	S+ केतु	05/10/2079
++ गुरु	17/06/2077	* शनि	28/11/2077	+ बुध	05/05/2078	S-- केतु	17/01/2079	S+ शुक्र	23/11/2079
-- शनि	04/07/2077	* बुध	24/12/2077	* केतु	13/05/2078	S++शुक्र	13/03/2079	S++रवि	08/12/2079
* बुध	20/07/2077	* केतु	04/01/2078	+ शुक्र	03/06/2078	S* रवि	29/03/2079	S+ चंद्र	01/01/2080
-- केतु	26/07/2077	-- शुक्र	03/02/2078	++ रवि	09/06/2078	S-- चंद्र	25/04/2079	S* मंगल	18/01/2080
* शुक्र	13/08/2077	++ रवि	12/02/2078	- चंद्र	20/06/2078	S* मंगल	15/05/2079	S+ राहू	02/03/2080
-- शनि	12/02/2081	* बुध	19/12/2081	-- केतु	26/04/2082	* शुक्र	26/04/2083		
S शनि	26/04/2080	S बुध	28/03/2081	S केतु	27/12/2081	S शुक्र	26/06/2082		
S- बुध	14/06/2080	S- केतु	15/04/2081	S* शुक्र	17/01/2082	S* रवि	14/07/2082		
S-- केतु	04/07/2080	S++शुक्र	06/06/2081	S-- रवि	23/01/2082	S- चंद्र	14/08/2082		
S* शुक्र	31/08/2080	S- रवि	21/06/2081	S* चंद्र	03/02/2082	S+ मंगल	04/09/2082		
S-- रवि	17/09/2080	S++चंद्र	17/07/2081	S* मंगल	11/02/2082	S++राहू	29/10/2082		
S+ चंद्र	16/10/2080	S* मंगल	04/08/2081	S-- राहू	02/03/2082	S* गुरु	17/12/2082		
S- मंगल	06/11/2080	S++राहू	20/09/2081	S+ गुरु	19/03/2082	S* शनि	12/02/2083		
S* राहू	28/12/2080	S* गुरु	31/10/2081	S-- शनि	08/04/2082	S++बुध	05/04/2083		
S+ गुरु	12/02/2081	S* शनि	19/12/2081	S- बुध	26/04/2082	S* केतु	26/04/2083		

महादशा - चंद्र : 26/04/2083 - 26/04/2093

चंद्र	25/02/2084	* मंगल	25/09/2084	-- राहू	27/03/2086	++ गुरु	27/07/2087	* शनि	24/02/2089
S चंद्र	22/05/2083	S मंगल	08/03/2084	S राहू	16/12/2084	गुरु	31/05/2086	शनि	26/10/2087
S* मंगल	09/06/2083	S* राहू	09/04/2084	S+ गुरु	27/02/2085	+ शनि	16/08/2086	- बुध	16/01/2088
S-- राहू	24/07/2083	S* गुरु	08/05/2084	S* शनि	25/05/2085	+ बुध	24/10/2086	-- केतु	19/02/2088
S++गुरु	03/09/2083	S-- शनि	10/06/2084	S++बुध	10/08/2085	S+ केतु	21/11/2086	* शुक्र	25/05/2088
S* शनि	21/10/2083	S+ बुध	10/07/2084	S-- केतु	11/09/2085	+ शुक्र	10/02/2087	-- रवि	23/06/2088
S* बुध	03/12/2083	S* केतु	23/07/2084	S++शुक्र	12/12/2085	++ रवि	07/03/2087	s+ चंद्र	10/08/2088
S* केतु	21/12/2083	S+ शुक्र	27/08/2084	S* रवि	08/01/2086	+ चंद्र	16/04/2087	s- मंगल	13/09/2088
S-- शुक्र	10/02/2084	S++रवि	07/09/2084	S-- चंद्र	23/02/2086	* मंगल	15/05/2087	* राहू	09/12/2088
S++रवि	25/02/2084	S- चंद्र	25/09/2084	S* मंगल	27/03/2086	+ राहू	27/07/2087	+ गुरु	24/02/2089
* बुध	26/07/2090	* केतु	25/02/2091	-- शुक्र	25/10/2092	++ रवि	26/04/2093		
s बुध	08/05/2089	s केतु	08/08/2090	शुक्र	06/06/2091	रवि	03/11/2092		
s- केतु	08/06/2089	s* शुक्र	12/09/2090	* रवि	06/07/2091	++ चंद्र	19/11/2092		
s++शुक्र	02/09/2089	-- रवि	23/09/2090	- चंद्र	26/08/2091	++ मंगल	29/11/2092		
s- रवि	28/09/2089	* चंद्र	11/10/2090	+ मंगल	01/10/2091	* राहू	27/12/2092		
s++चंद्र	10/11/2089	* मंगल	23/10/2090	++ राहू	31/12/2091	++ गुरु	20/01/2093		
s* मंगल	10/12/2089	s-- राहू	24/11/2090	* गुरु	21/03/2092	-- शनि	18/02/2093		
s++राहू	26/02/2090	s+ गुरु	23/12/2090	* शनि	26/06/2092	* बुध	16/03/2093		
s* गुरु	06/05/2090	s-- शनि	25/01/2091	++ बुध	20/09/2092	-- केतु	26/03/2093		
s* शनि	26/07/2090	s- बुध	25/02/2091	* केतु	25/10/2092	* शुक्र	26/04/2093		

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

RADHIKA

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - मंगल : 26/04/2093 - 26/04/2100

मंगल 22/09/2093	* राहू 11/10/2094	* गुरु 16/09/2095	-- शनि 25/10/2096	+ बुध 22/10/2097
मंगल 05/05/2093	राहू 19/11/2093	गुरु 25/11/2094	शनि 20/11/2095	बुध 16/12/2096
* राहू 27/05/2093	+ गुरु 09/01/2094	+ शनि 18/01/2095	- बुध 16/01/2096	- केतु 06/01/2097
* गुरु 16/06/2093	* शनि 10/03/2094	+ बुध 07/03/2095	-- केतु 09/02/2096	++ शुक्र 07/03/2097
-- शनि 09/07/2093	++ बुध 04/05/2094	+ केतु 27/03/2095	* शुक्र 16/04/2096	- रवि 25/03/2097
+ बुध 31/07/2093	-- केतु 26/05/2094	+ शुक्र 23/05/2095	-- रवि 06/05/2096	++ चंद्र 24/04/2097
* केतु 08/08/2093	++ शुक्र 29/07/2094	++ रवि 09/06/2095	+ चंद्र 09/06/2096	* मंगल 16/05/2097
+ शुक्र 02/09/2093	* रवि 17/08/2094	+ चंद्र 07/07/2095	- मंगल 03/07/2096	++ राहू 09/07/2097
++ रवि 10/09/2093	-- चंद्र 18/09/2094	* मंगल 27/07/2095	* राहू 01/09/2096	* गुरु 26/08/2097
- चंद्र 22/09/2093	* मंगल 11/10/2094	+ राहू 16/09/2095	+ गुरु 25/10/2096	s* शनि 22/10/2097
* केतु 21/03/2098	+ शुक्र 21/05/2099	++ रवि 26/09/2099	- चंद्र 26/04/2100	
s केतु 31/10/2097	शुक्र 31/05/2098	s रवि 27/05/2099	s चंद्र 13/10/2099	
s* शुक्र 25/11/2097	s* रवि 21/06/2098	s++चंद्र 07/06/2099	s* मंगल 26/10/2099	
s-- रवि 02/12/2097	s- चंद्र 26/07/2098	s++मंगल 14/06/2099	s-- राहू 27/11/2099	
s* चंद्र 15/12/2097	s+ मंगल 20/08/2098	s* राहू 03/07/2099	s++गुरु 25/12/2099	
s* मंगल 24/12/2097	s++राहू 23/10/2098	s++गुरु 20/07/2099	* शनि 28/01/2100	
s-- राहू 15/01/2098	s* गुरु 19/12/2098	s-- शनि 10/08/2099	* बुध 27/02/2100	
s+ गुरु 04/02/2098	s* शनि 25/02/2099	s* बुध 28/08/2099	* केतु 10/03/2100	
s-- शनि 27/02/2098	s++बुध 26/04/2099	s-- केतु 04/09/2099	s-- शुक्र 15/04/2100	
s- बुध 21/03/2098	s* केतु 21/05/2099	s* शुक्र 26/09/2099	s++रवि 26/04/2100	

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

शोडषवर्ग कुंडली : पृष्ठ -1

लग्न (देह विचार)

चंद्र	मांदी	लग्न	गुरु	बुध
शनि	12	11	हर्षल	10
केतु			नेप.	9
भा.-सहंम	1		शुक्र	7
	2	3	4	5
			मंगल	6
				राहू

होरा (सम्पदाविचार)

मांदी	शुक्र
5	4
गुरु	रवि
लग्न	प्लुटो
हर्षल	नेप.
बुध	राहू
भा.-सहंम	

द्रेष्काण (भ्रातृसौख्यम्)

नेप.	मंगल	भा.-सहंम
बुध	12	11
शनि		हर्षल
	1	10
	2	9
	3	8
मांदी	केतु	4
चंद्र		5
		6
		गुरु

सप्तमांश (पुत्रपोत्रादिज्ञानम्)

भा.-सहंम	लग्न	नेप.	प्लुटो
शुक्र	7	6	हर्षल
शनि		5	बुध
केतु	8	मंगल	गुरु
9	10	11	12
			1
			मांदी
			राहू
			2
			रवि
			3
			चंद्र

नवमांश (कलत्र सौख्यम्)

चंद्र	हर्षल	मांदी	नेप.
राहू	1	12	लग्न
	2	11	10
	3	9	8
	4	7	6
	5	4	3
	रवि	मंगल	प्लुटो
		शनि	केतु
			गुरु
			बुध
			शुक्र
			भा.-सहंम

द्वादशांश (पितृसौख्यम्)

हर्षल	बुध	प्लुटो	मंगल
शनि	2	1	लग्न
	3	12	11
	4	10	9
	5	8	7
	6	6	5
	चंद्र	गुरु	शुक्र
			राहू
			नेप.
			भा.-सहंम
			रवि
			मांदी

त्रिंशांश (अरिष्ट ज्ञानम्)

लग्न	शनि	हर्षल	गुरु
8	7	6	5
	केतु	प्लुटो	4
मांदी	9	मंगल	3
	10	11	2
	बुध	12	1
			शुक्र
			नेप.
			रवि
			भा.-सहंम
			चंद्र
			हर्षल

दशमांश (राज्यविचार)

बुध	शुक्र	नेप.	प्लुटो
मंगल	10	9	हर्षल
शनि		8	भा.-सहंम
केतु	11	लग्न	रवि
	12	1	मांदी
		2	3
		4	गुरु
		5	राहू
		6	चंद्र
		7	शुक्र
		8	प्लुटो
		9	नेप.

शोडषवर्ग कुंडली : पृष्ठ -2

षोडशांश (वाहनसुखविचार)

रवि	6	5	हर्षल	केतु	चंद्र	राहू
			लग्न	4	3	2
		7		नेप.	1	मंगल
गुरु	8	9		10	11	12
			प्लुटो	मांदी		शनि
						बुध
						भा.-सहंम

ष्टयंश (सर्वास्थिति विचार)

प्लुटो	चंद्र	मांदी	बुध
नेप.	1	12	शनि
हर्षल	केतु	11	लग्न
रवि	2	मंगल	8
3	4	गुरु	5
		राहू	6
			7
			शुक्र
			भा.-सहंम

चतुर्थांश (भाग्यविचार)

बुध	प्लुटो	मंगल	राहू
शनि	12	11	लग्न
			10
हर्षल	1		शुक्र
मांदी	2	3	4
गुरु			केतु
			चंद्र
			नेप.
			रवि
			भा.-सहंम

विंशांश (उपासनाज्ञानम्)

गुरु	हर्षल	मांदी	शुक्र
7	6	लग्न	5
			बुध
मंगल	8		नेप.
चंद्र	9	10	रवि
शनि			11
			12
			1
			2
			प्लुटो
			राहू
			केतु
			भा.-सहंम

चतुर्विंशांश (विध्याविचार)

हर्षल	गुरु	भा.-सहंम	चंद्र
प्लुटो	11	10	शनि
			9
			लग्न
			8
			7
			शुक्र
			रवि
			6
			मंगल
राहू	1	2	3
केतु			4
बुध			5
			नेप.
			मांदी

भामशांश

हर्षल	गुरु	भा.-सहंम	शुक्र
11	10	लग्न	9
			बुध
चंद्र	12		प्लुटो
रवि	1	2	3
			4
			5
			मांदी
			नेप.
			शनि
			मंगल
			राहू
			केतु
			भा.-सहंम

खवेदांश (शुभाशुभ ज्ञानम्)

शनि	मांदी	चंद्र	शुक्र
हर्षल	5	4	लग्न
			3
			प्लुटो
गुरु	6	भा.-सहंम	बुध
			12
7	8	नेप.	9
			10
			11
			रवि
			मंगल
			राहू
			केतु
			भा.-सहंम

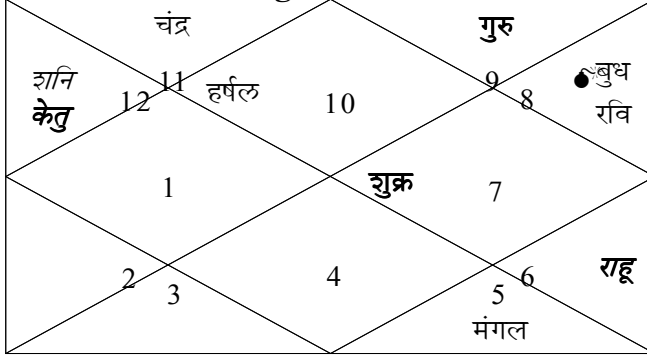
अक्षवेदांश (सर्वास्थिति विचार)

बुध	रवि	चंद्र	शुक्र
हर्षल	12	11	मांदी
			10
			भा.-सहंम
			लग्न
			शनि
			7
राहू	2	3	4
केतु			5
शुक्र			6
			गुरु
			प्लुटो
			मंगल
			भा.-सहंम

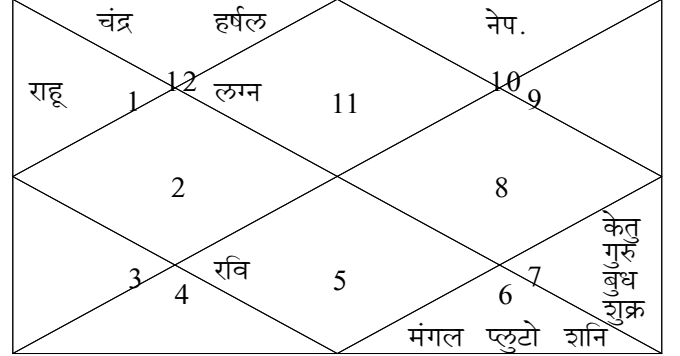
Lagna Analysis - Specific

मंगलिक

Lagna Chart

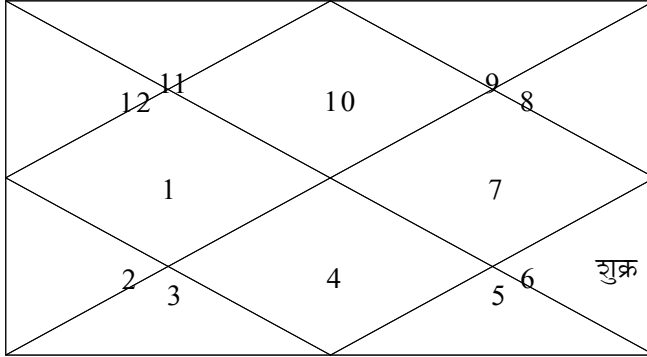


Navamsa Chart

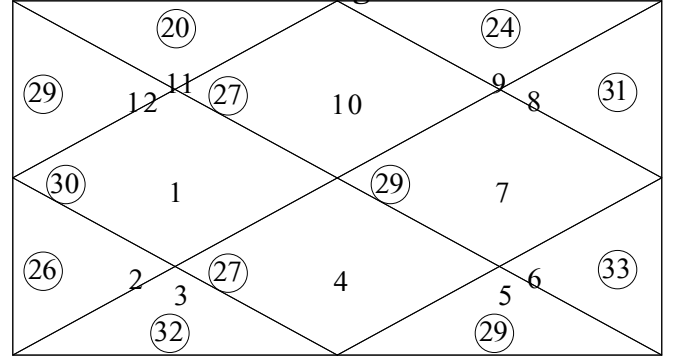


Effective Chalit Chart

>>> -ve



AshtakVarga Chart



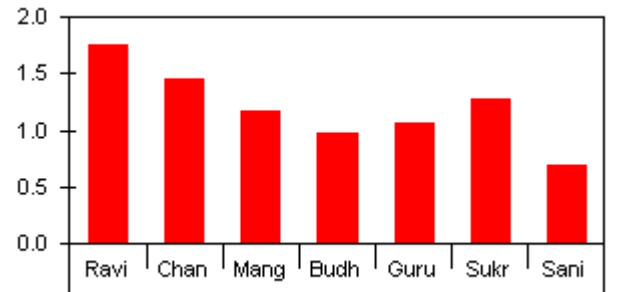
Vimshotari Dasa

महादशा

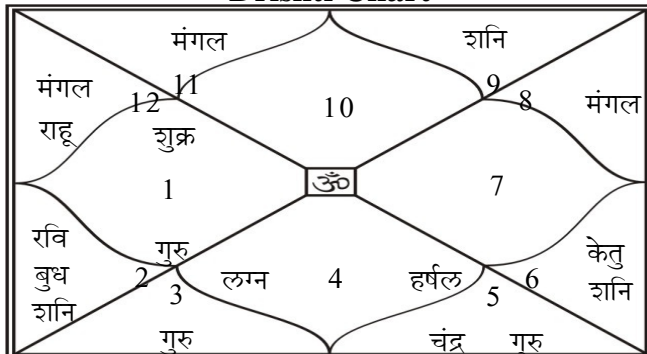
अन्तर दशा

राहु	26/04/1998	शनि	29/04/2017
गुरु	26/04/2014	बुध	07/01/2020
शनि	26/04/2033	केतु	15/02/2021
बुध	26/04/2050	शुक्र	17/04/2024
केतु	26/04/2057	रवि	30/03/2025
शुक्र	26/04/2077	चंद्र	29/10/2026
रवि	26/04/2083	मंगल	08/12/2027
चंद्र	26/04/2093	राहु	14/10/2030
मंगल	26/04/2100	गुरु	26/04/2033

Planet's Relative Strength



Drishti Chart

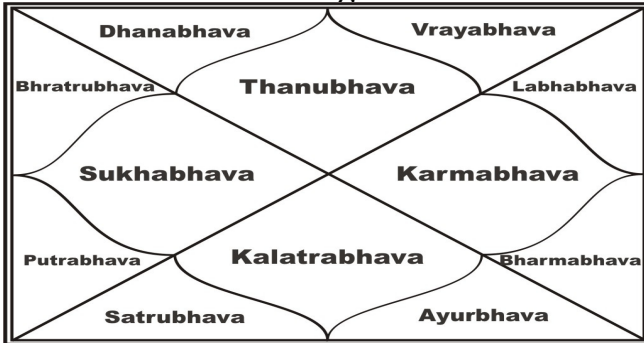


Planetary Longitudes

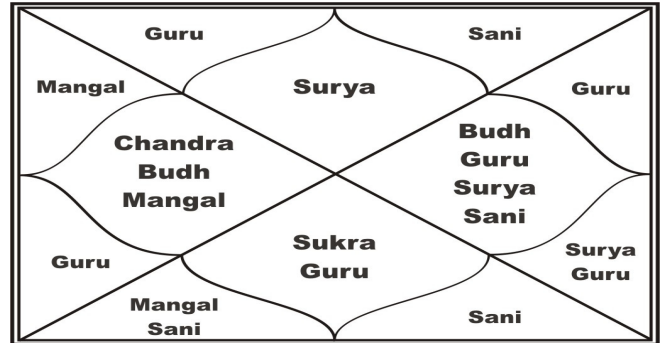
ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र
लग्न	मकर 06:37:22	उ.षाढा 3
रवि	वृश्चिक 03:22:00	अनुराधा 1
चंद्र	कुंभ 18:56:17	शततारका 4
मंगल	सिंह 16:50:21	पूर्वा-फा. 2
बुध	वृश्चिक 13:12:38	अनुराधा 3
गुरु	धनु 22:11:15	पू.षाढा 3
शुक्र	तुला 01:28:37	चित्रा 3
शनि (व)	मीन 06:58:37	उ.भाद्र 2
राहु (व)	कन्या 11:30:17	हस्त 1
केतु (व)	मीन 11:30:17	उ.भाद्र 3

Lagna Analysis - General

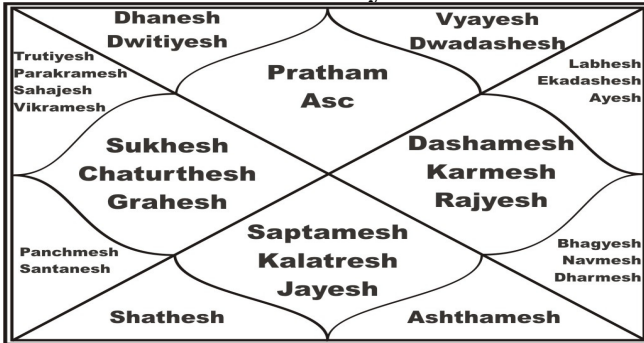
House Signifiers



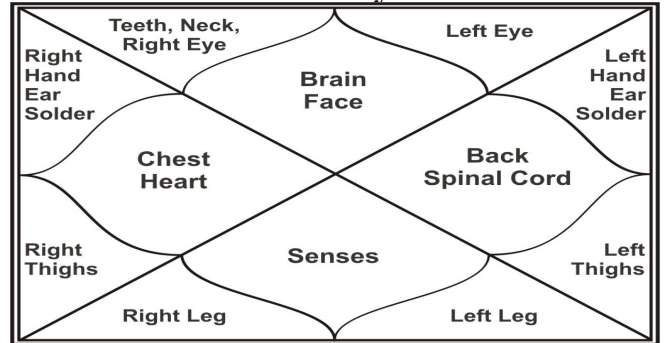
House Karak



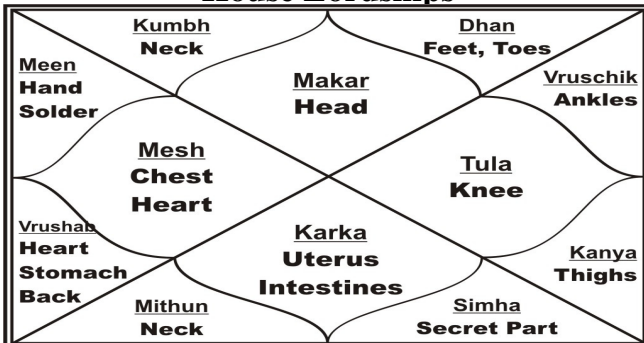
House - Physical



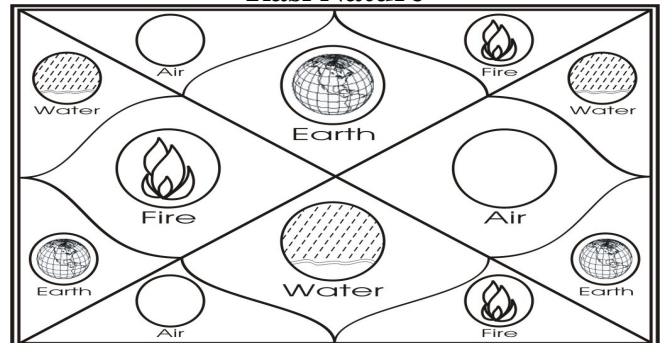
House - Body Parts



House Lordships



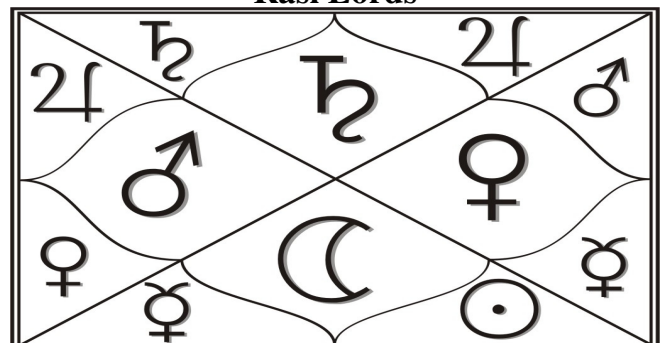
Rasi Nature



Rasi - General



Rasi Lords



RADHIKA

नैसर्गिक मैत्री चक्र

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
रवि	-	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	-	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	-	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	-	सम	मित्र	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	-	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	-	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	-	मित्र	शत्रु
राहू	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	मित्र	-	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	-

तात्कालिक मैत्री चक्र

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
रवि	-	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
चंद्र	मित्र	-	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
मंगल	मित्र	शत्रु	-	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
बुध	शत्रु	मित्र	मित्र	-	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	-	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	-	शत्रु	मित्र	शत्रु
शनि	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	-	शत्रु	शत्रु
राहू	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	-	शत्रु
केतु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	-

पंचधा मैत्री चक्र

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
रवि	--	अधिमित्र	अधिमित्र	शत्रु	अधिमित्र	सम	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु
चंद्र	अधिमित्र	--	शत्रु	अधिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	अधिशत्रु	सम
मंगल	अधिमित्र	सम	--	सम	सम	मित्र	शत्रु	सम	सम
बुध	सम	सम	मित्र	--	मित्र	अधिमित्र	शत्रु	अधिमित्र	शत्रु
गुरु	अधिमित्र	अधिमित्र	सम	सम	--	सम	मित्र	मित्र	मित्र
शुक्र	सम	अधिशत्रु	मित्र	अधिमित्र	मित्र	--	सम	अधिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	सम	--	सम	अधिशत्रु
राहू	सम	अधिशत्रु	सम	अधिमित्र	मित्र	अधिमित्र	सम	--	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	--

RADHIKA

षडबल

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	7.79	35.31	6.28	40.60	4.27	1.49	14.34
सप्तवर्गीय बल	135.00	150.00	86.25	97.50	120.00	187.50	67.50
ओजा यूग्म बल	15.00	15.00	15.00	15.00	30.00	0.00	0.00
केंद्र बल	30.00	30.00	30.00	30.00	15.00	60.00	15.00
द्रेष्काण बल	15.00	0.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00
स्थान बल	202.79	230.31	137.53	198.1	169.27	248.99	96.84
कुल दिक् बल	55.57	39.62	38.92	42.20	55.19	6.20	20.12
नाथ बल	54.10	5.90	5.90	60.00	54.10	54.10	5.90
पक्ष बल	24.81	70.38	24.81	24.81	35.19	35.19	24.81
त्रिभाग बल	60.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
अब्दा बल	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
दिवा बल	0.00	0.00	45.00	0.00	0.00	0.00	0.00
होरा बल	60.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
अयन बल	10.27	38.61	39.60	57.26	1.29	17.58	29.60
युद्धा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल काल बल	209.18	159.89	115.31	142.07	150.58	106.87	60.31
कुल चेष्टा बल	10.27	70.38	33.39	15.59	18.10	20.33	41.95
कुल नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.71	34.29	42.86	8.57
कुल दृग्बल	-9.90	-28.10	11.83	-11.13	-13.81	-1.50	-17.16
कुल षडबल	527.91	523.53	354.12	412.54	413.62	423.75	210.63
षडबल षडबल (रूपा)	8.80	8.73	5.90	6.88	6.89	7.06	3.51
कमी आवश्यकता	5	6	5	7	6.5	5.5	5
रेषो	1.76	1.46	1.18	0.98	1.06	1.28	0.70
तौलनिक स्थिति	1	2	4	6	5	3	7

इष्ट-कष्ट फल

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	9.23	35.25	14.48	25.16	8.79	5.50	24.53
कष्ट फल	50.61	24.75	37.81	29.35	48.32	48.18	28.71

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	210.60	210.60	413.60	354.10	423.80	412.50	523.50	527.90	412.50	423.80	354.10	413.60
भावादृग्बल	30.00	50.00	50.00	0.00	10.00	10.00	60.00	40.00	20.00	30.00	20.00	50.00
भावदृष्टि बल	3.90	35.00	57.20	44.40	80.80	76.90	77.60	57.80	46.00	-5.80	-11.40	-20.30
कुल भाव बल	244.50	295.60	520.80	398.50	514.60	499.40	661.10	625.70	478.50	448.00	362.70	443.30
भाव बल (रूपा)	4.1	4.9	8.7	6.6	8.6	8.3	11.0	10.4	8.0	7.5	6.0	7.4
तौलनिक स्थिति	12	11	3	9	4	5	1	2	6	7	10	8

RADHIKA

ताराचक्र - नक्षत्र स्वामि

-	जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
साल	'96 '23 '50	'97 '24 '51	'98 '25 '52	'99 '26 '53	'00 '27 '54	'01 '28 '55	'02 '29 '56	'03 '30 '57	'04 '31 '58
उम्र	1 ,28 ,55	2 ,29 ,56	3 ,30 ,57	4 ,31 ,58	5 ,32 ,59	6 ,33 ,60	7 ,34 ,61	8 ,35 ,62	9 ,36 ,63
नक्षत्र	शततारका	पू.भाद्र	उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग
ग्रह	चंद्र		शनि केतु						
चंद्र बिंदु									
सूर्य बिंदु	शूल						शनिपात		

-	जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
साल	'05 '32 '59	'06 '33 '60	'07 '34 '61	'08 '35 '62	'09 '36 '63	'10 '37 '64	'11 '38 '65	'12 '39 '66	'13 '40 '67
उम्र	10 ,37 ,64	11 ,38 ,65	12 ,39 ,66	13 ,40 ,67	14 ,41 ,68	15 ,42 ,69	16 ,43 ,70	17 ,44 ,71	18 ,45 ,72
नक्षत्र	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा
ग्रह						मंगल		राहू	शुक्र
चंद्र बिंदु	कर्म						संघतिक		उदय
सूर्य बिंदु		केतु			उल्का	कंप	वज्र	निर्धात	

-	जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
साल	'14 '41 '68	'15 '42 '69	'16 '43 '70	'17 '44 '71	'18 '45 '72	'19 '46 '73	'20 '47 '74	'21 '48 '75	'22 '49 '76
उम्र	19 ,46 ,73	20 ,47 ,74	21 ,48 ,75	22 ,49 ,76	23 ,50 ,77	24 ,51 ,78	25 ,52 ,79	26 ,53 ,80	27 ,54 ,81
नक्षत्र	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा
ग्रह			रवि बुध प्लुटो			गुरु	लग्न हर्षल नेप.		
चंद्र बिंदु	आदान				विनाश		मानस	राज	अभिषेक
सूर्य बिंदु							विधुनमुख		

RADHIKA

सहम

सहम	राशी	अंश	सहम-स्वामी
पुण्य	मेष	22:11:39	मंगल
गुरू	तुला	21:03:05	शुक्र
विद्या	तुला	21:03:05	शुक्र
यश	तुला	06:36:58	शुक्र
मित्र	मेष	00:20:03	मंगल
महातम्य	कन्या	11:58:40	बुध
आशा	मिथुन	12:07:22	बुध
समर्थ	कर्क	16:29:06	चंद्र
भारती	वृश्चिक	21:50:00	मंगल
गौरव	तुला	06:36:58	शुक्र
पित्री	वृषभ	10:13:59	शुक्र
राजा	वृषभ	10:13:59	शुक्र
मात्री	वृषभ	24:05:02	शुक्र
पुत्र	धनु	09:52:20	गुरू
जीव	मीन	21:24:44	गुरू
रोग	मकर	24:39:42	शनि
कर्म	तुला	10:15:05	शुक्र
मनमथा	धनु	18:35:02	गुरू
काली	वृषभ	11:58:16	शुक्र
क्षमा	वृषभ	11:58:16	शुक्र
शास्त्र	सिंह	28:25:16	रवि
बंधु	वृश्चिक	00:53:43	मंगल
मृत्यु	कन्या	01:27:08	बुध
देशांतरा	वृश्चिक	12:48:47	मंगल
धन	धनु	13:03:33	गुरू
परादरा	धनु	04:43:59	गुरू
अन्य-कर्म	धनु	18:35:02	गुरू
वानिका	मेष	12:21:00	मंगल
कार्य-सिद्धी	धनु	20:26:58	गुरू
विवाह	कन्या	01:07:22	बुध
प्रसाव	कुंभ	15:35:59	शनि
सनतापा	मिथुन	28:21:16	बुध
श्रद्धा	कुंभ	21:15:38	शनि
प्रीत	सिंह	05:28:48	रवि
जदया	वृषभ	23:04:23	शुक्र
व्यापार	तुला	10:15:05	शुक्र
पानिया-पाता	मकर	24:39:42	शनि
शत्रु	कर्क	16:29:06	चंद्र
जल-पथ	मेष	00:00:00	मंगल
बंधन	कुंभ	21:50:24	शनि
लाभ	मेष	05:49:31	मंगल

शुभाशुभ ज्ञान

शुभाशुभ ज्ञान आपको अपने मित्र और शत्रु का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक और मित्रांको से मित्रता और साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभग्रहों की दशाएं लाभदायक होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न भाग्य धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होता है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारंभ करने से उसमें इच्छित सफलता मिलती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शांति तथा सफलता प्राप्त होती है। शुभ पदार्थ, अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभदिशा में करने से अधिक लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभ ज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभ फलदायक सिद्धि हो सकता है।

मूलांक	-----	: 1
भाग्यांक	-----	: 1
मित्रांक	-----	: 2, 7, 9
शुभ वर्ष	-----	: 19, 28, 37, 46, 55
शुभ दिन	-----	: शुक्रवार, शनिवार, बुधवार
शुभ ग्रह	-----	: शुक्र, शनि, बुध
अशुभ ग्रह	-----	: गुरु, सूर्य
मित्र राशि	-----	: वृषभ, तुला
मित्र लग्न	-----	: मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक
शुभ रत्न	-----	: नीलम
शुभ उपरत्न	-----	: नीली, जमुनिया लाजवर्त
भाग्य रत्न	-----	: पन्ना
अनुकूल देवता	-----	: कुबेर
शुभ धातु	-----	: लोहा
शुभ रंग	-----	: श्याम
दिशा	-----	: पश्चिम
समय	-----	: संध्या
पदार्थ	-----	: कुलथी, कस्तुरी, कृष्णागौ, उपानह
अन्न	-----	: उड़द
द्रव्य	-----	: तेल

RADHIKA

सर्वाष्टकवर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	कुल
लग्न	4	4	6	1	5	3	5	4	5	6	3	3	49
रवि	7	3	4	3	4	5	4	5	4	2	2	5	48
चंद्र	4	4	6	4	5	4	3	4	4	5	3	3	49
मंगल	3	3	3	1	3	6	3	4	2	4	1	6	39
बुध	5	4	4	4	4	5	6	7	3	4	3	5	54
गुरु	2	4	6	6	6	5	3	5	4	3	7	5	56
शुक्र	5	4	5	5	3	5	6	3	4	6	3	3	52
शनि	4	4	4	4	4	3	4	3	3	3	1	2	39
कुल बिन्दु	30	26	32	27	29	33	29	31	24	27	20	29	337
कुल रेखा	26	30	24	29	27	23	27	25	32	29	36	27	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
लग्न	0	1	3	0	1	0	2	3	1	3	0	2
रवि	3	1	2	0	0	3	2	2	0	0	0	2
चंद्र	0	0	3	1	1	0	0	1	0	1	0	0
मंगल	1	0	2	0	1	3	2	3	0	1	0	5
बुध	2	0	1	0	1	1	3	3	0	0	0	1
गुरु	0	1	3	1	4	2	0	0	2	0	4	0
शुक्र	2	0	2	2	0	1	3	0	1	2	0	0
शनि	1	1	3	2	1	0	3	1	0	0	0	0

ऐकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
लग्न	0	0	3	0	1	0	2	3	1	3	0	2
रवि	2	0	2	0	0	2	2	2	0	0	0	2
चंद्र	0	0	3	1	1	0	0	1	0	1	0	0
मंगल	0	0	2	0	1	2	2	3	0	1	0	5
बुध	0	0	0	0	1	0	3	3	0	0	0	1
गुरु	0	1	2	1	4	2	0	0	2	0	4	0
शुक्र	2	0	1	2	0	1	3	0	1	2	0	0
शनि	0	0	3	2	1	0	3	1	0	0	0	0

शोध्य पिंड

	लग्न	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह पिंड	72	44	18	77	64	72	31	39
राशि पिंड	120	94	51	139	67	142	75	71
शोध्य पिंड	192	138	69	216	131	214	106	110

RADHIKA

भिन्नाष्टकवर्ग सारिणी

रवि

राशि	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
गुरु	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	4
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
रवि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	4
लग्न	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
कुल	5	4	2	2	5	7	3	4	3	4	5	4	48

चंद्र

राशि	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
शनि	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	4
गुरु	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	0	7
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	7
रवि	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	6
शुक्र	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
कुल	3	3	4	4	6	4	5	4	3	4	4	5	49

मंगल

राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	7
गुरु	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
रवि	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	5
शुक्र	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
चंद्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
कुल	3	6	3	4	2	4	1	6	3	3	3	1	39

बुध

राशि	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
रवि	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	6
लग्न	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
कुल	7	3	4	3	5	5	4	4	4	4	5	6	54

गुरु

राशि	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	
शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
रवि	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	9
शुक्र	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	6
बुध	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	8
चंद्र	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	5
लग्न	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
कुल	4	3	7	5	2	4	6	6	6	5	3	5	56

शुक्र

राशि	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	
शनि	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	7
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	5
मंगल	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
रवि	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चंद्र	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	9
लग्न	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	8
कुल	6	3	4	6	3	3	5	4	5	5	3	5	52

शनि

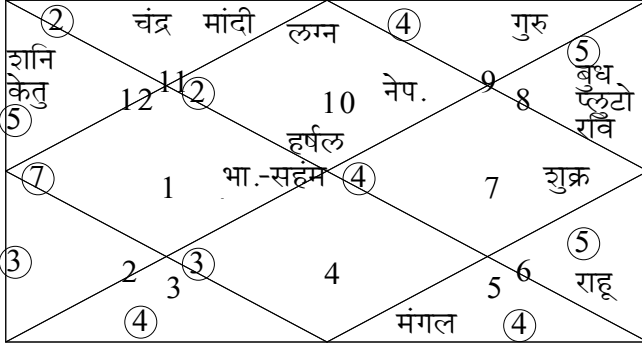
राशि	1	2	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
रवि	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	3
बुध	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	6
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	6
कुल	2	4	4	4	4	4	3	4	3	3	3	1	39

लग्न

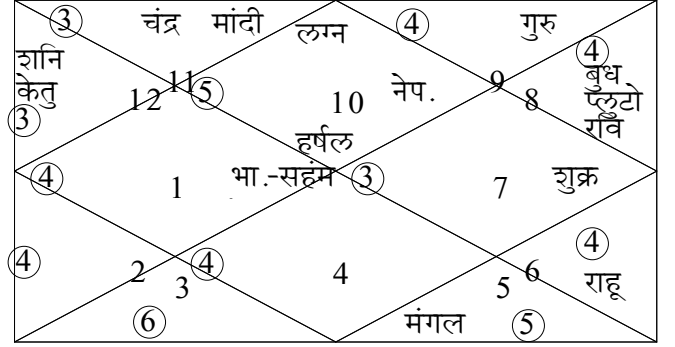
राशि	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
शनि	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
गुरु	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
मंगल	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	5
रवि	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
शुक्र	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	7
बुध	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	7
चंद्र	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	6	3	3	4	4	6	1	5	3	5	4	5	49

भिन्नाष्टकवर्ग कुंडली

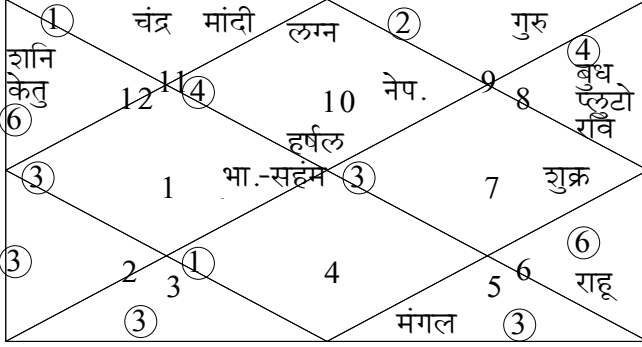
रवि



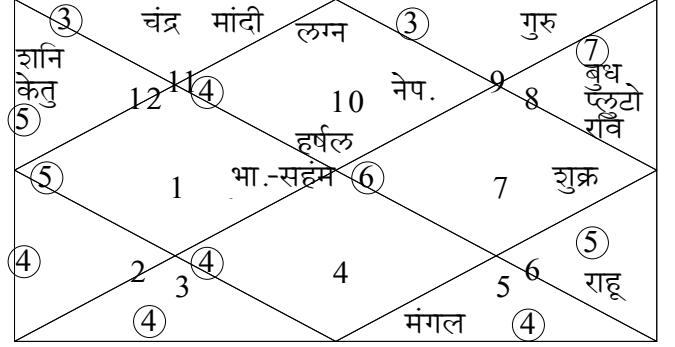
चंद्र



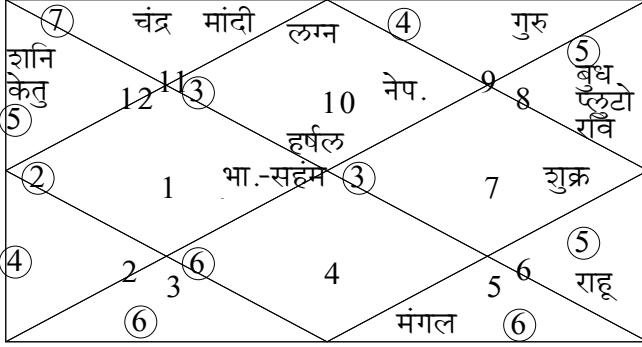
मंगल



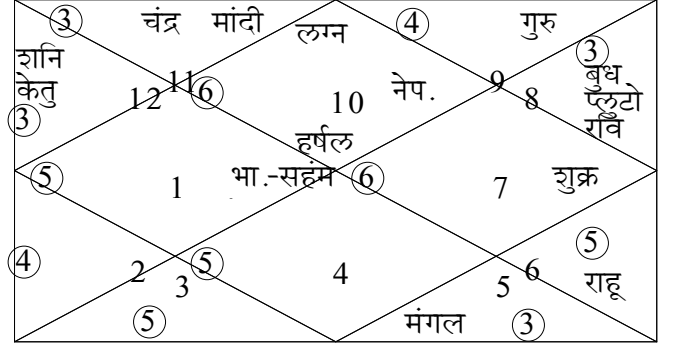
बुध



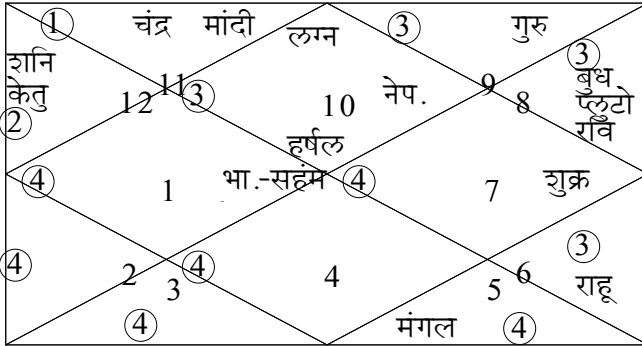
गुरु



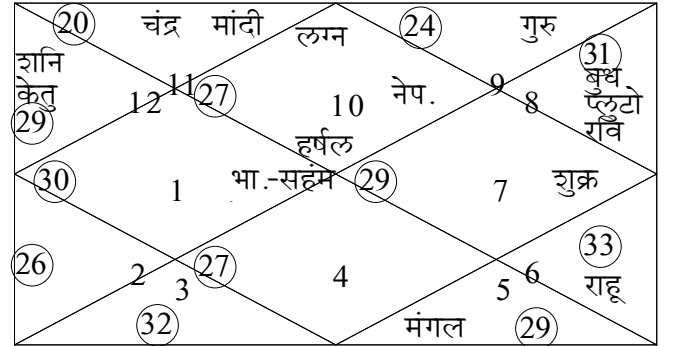
शुक्र



शनि



सर्वाष्टकवर्ग

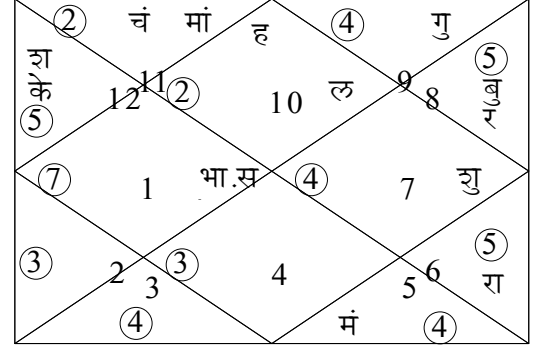


भिन्नाष्टकवर्ग सारिणी एवं कुंडली

रवि 8 9 10 11 12 1 2 3 4 5 6 7

शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
गुरु	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	4
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
रवि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	4
लग्न	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
कुल	5	4	2	2	5	7	3	4	3	4	5	4	48

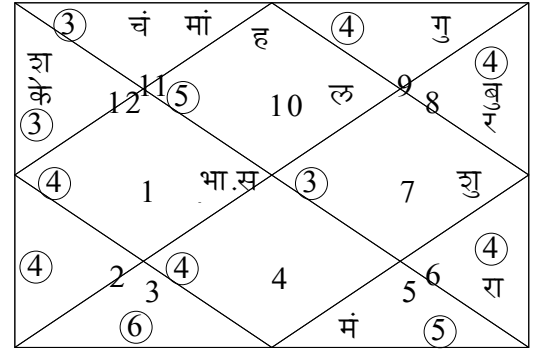
रवि



चंद्र 11 12 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

शनि	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	4
गुरु	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	0	7
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	7
रवि	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	6
शुक्र	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
कुल	3	3	4	4	6	4	5	4	3	4	4	5	49

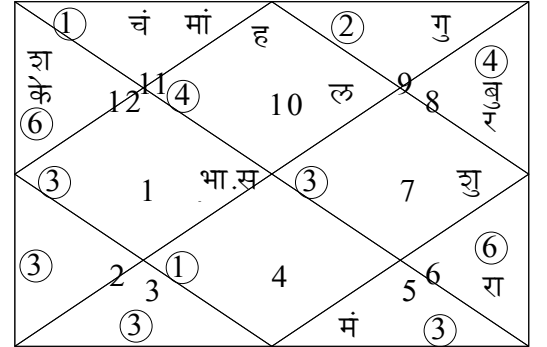
चंद्र



मंगल 5 6 7 8 9 10 11 12 1 2 3 4

शनि	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	7
गुरु	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
रवि	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	5
शुक्र	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
चंद्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
कुल	3	6	3	4	2	4	1	6	3	3	3	1	39

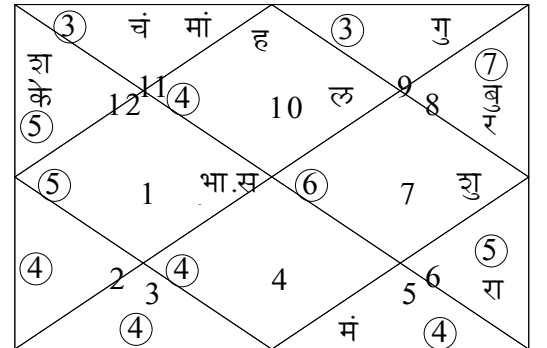
मंगल



बुध 8 9 10 11 12 1 2 3 4 5 6 7

शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
रवि	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	6
लग्न	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
कुल	7	3	4	3	5	5	4	4	4	4	5	6	54

बुध

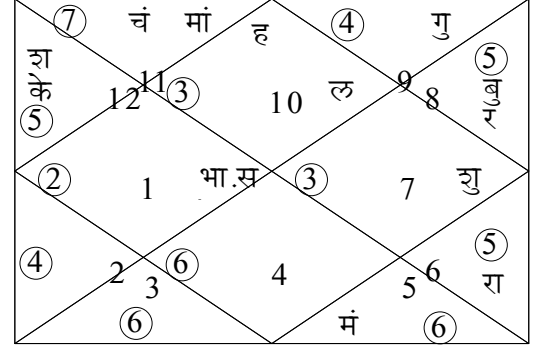


भिन्नाष्टकवर्ग सारिणी एवं कुंडली

गुरु 9 10 11 12 1 2 3 4 5 6 7 8

शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
रवि	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	9
शुक्र	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	6
बुध	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	8
चंद्र	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	5
लग्न	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
कुल	4	3	7	5	2	4	6	6	6	5	3	5	56

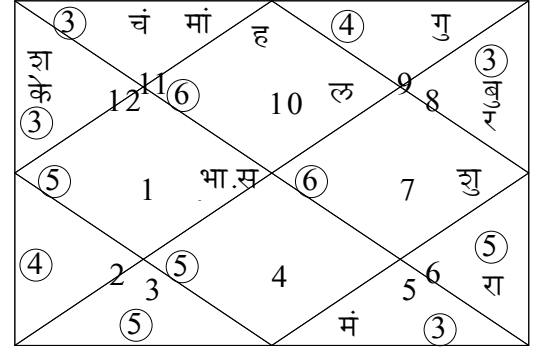
गुरु



शुक्र 7 8 9 10 11 12 1 2 3 4 5 6

शनि	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	7
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	5
मंगल	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
रवि	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चंद्र	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	9
लग्न	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	8
कुल	6	3	4	6	3	3	5	4	5	5	3	5	52

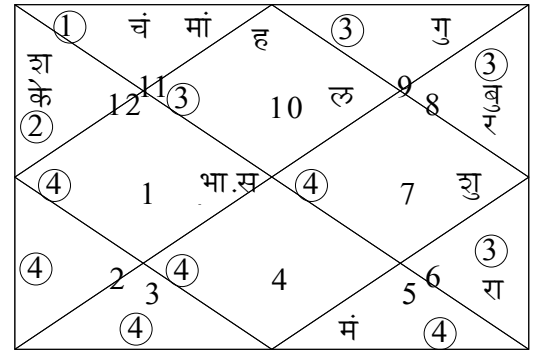
शुक्र



शनि 12 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11

शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
रवि	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	3
बुध	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	6
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	6
कुल	2	4	4	4	4	4	3	4	3	3	3	1	39

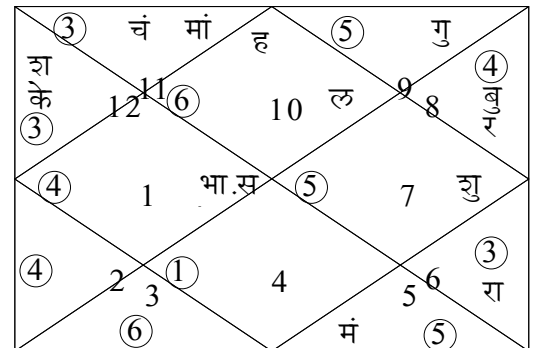
शनि



लग्न 10 11 12 1 2 3 4 5 6 7 8 9

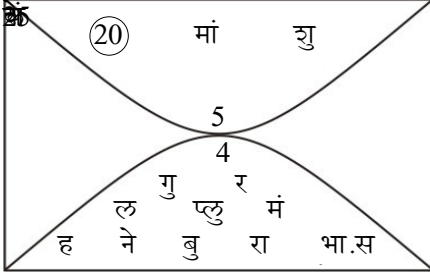
शनि	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
गुरु	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
मंगल	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	5
रवि	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
शुक्र	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	7
बुध	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	7
चंद्र	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	6	3	3	4	4	6	1	5	3	5	4	5	49

लग्न

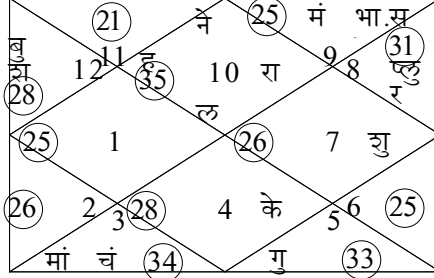


शोडषवर्ग - अष्टकवर्ग कुंडली

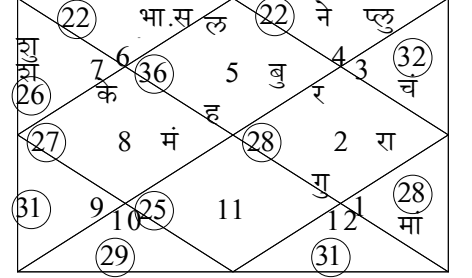
होरा (सम्पदाविचार)



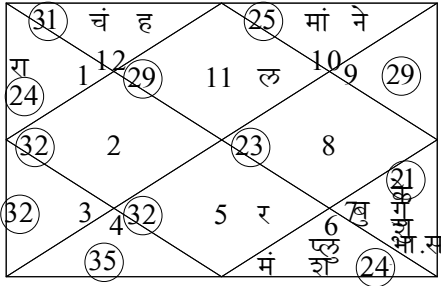
द्रेष्काण (भ्रातृसौख्यम्)



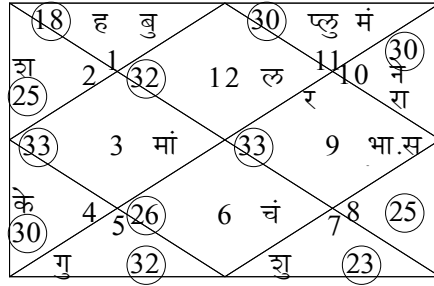
सप्तमांश (पुत्रपोत्रादिज्ञानम्)



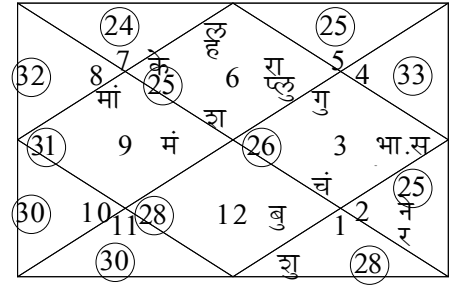
नवमांश (कलत्र सौख्यम्)



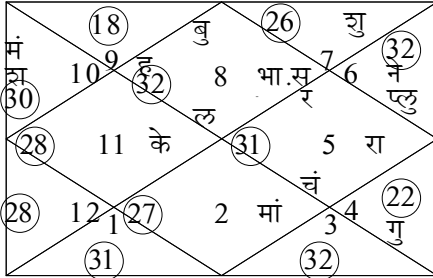
द्वादशांश (पितृसौख्यम्)



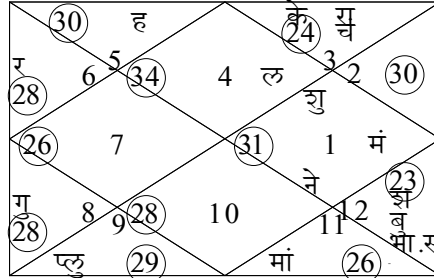
त्रिंशांश (अरिष्ट ज्ञानम्)



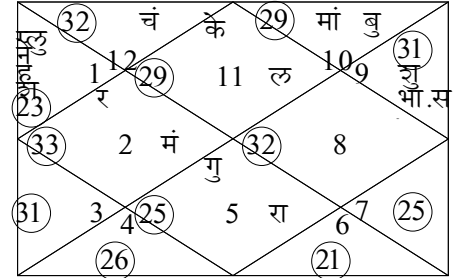
दशमांश (राज्यविचार)



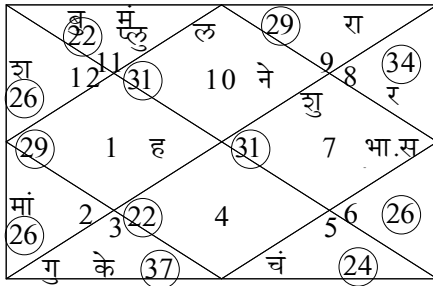
षोडशांश (वाहनसुखविचार)



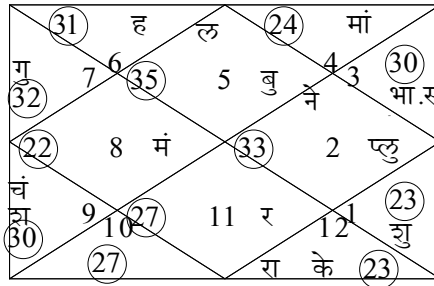
ष्टयंश (सर्वास्थिति विचार)



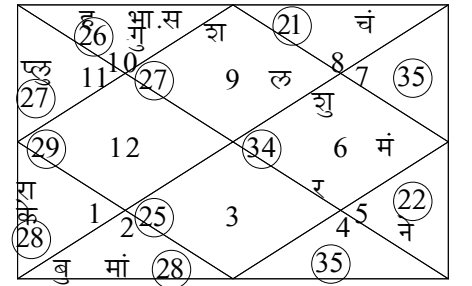
चतुर्थांश (भाग्यविचार)



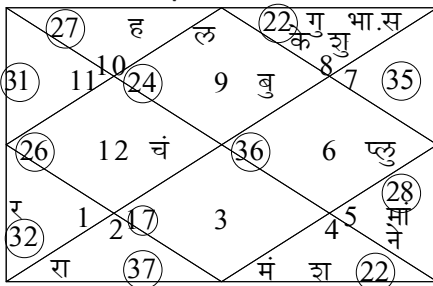
विंशांश (उपासनाज्ञानम्)



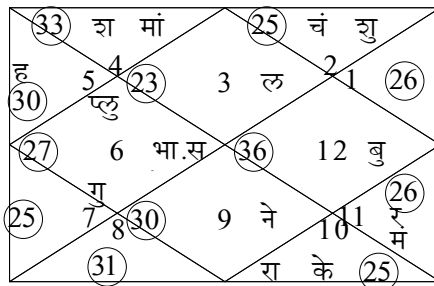
चतुर्विंशांश (विध्याविचार)



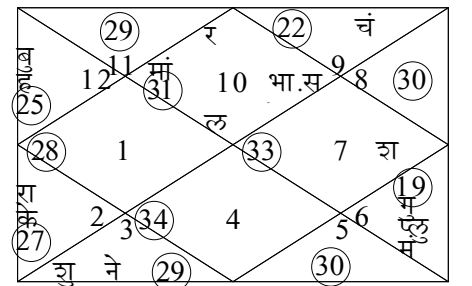
भामशांश



खवेदांश (शुभाशुभ ज्ञानम्)



अक्षवेदांश (सर्वास्थिति विचार)



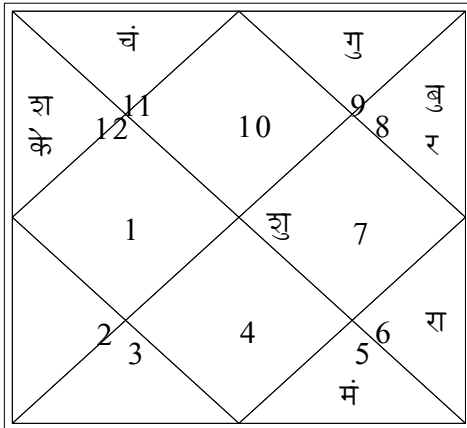
RADHIKA

महादशा : गुरु

शुरु - 26/04/1998 - 26/04/2014 (उम्र : 1 - 17)

Planets with Degree	Lagna House	Navamsa House	Malefic / Benefic	Panchada-Maitri	Exalted / Debilitated	Rasi Lord	Nakshatra Lord	Sub Lord	Age (in years)	House Rasi Rasi Lord Nak. Lord Sub Lord Sub Star Lord Ashtakvarg	1 10 श र बु श 27	2 11 श रा बु श 20	3 12 गु बु शु मं 29	4 1 मं शु रा चं 30	5 2 शु चं श श 26	6 3 बु रा गु शु 32	7 4 चं श बु श 27	8 5 र शु शु मं 29	9 6 बु चं बु श 33	10 7 शु गु गु शु 29	11 8 मं श गु शु 31	12 9 गु के श श 24
गुरु 11	12	9	M			गु	शु	श	3	13/06/2000 (s)	3	7	(5)	2	(4)	6	6	6	(5)	(3)	5	(4)
शनि 22	3	8	B	+		गु	श	बु	6	26/12/2002	(3)	(1)	2	4	4	4	4	4	3	4	3	3
बुध 06	11	9	B	*		मं	श	रा	8	02/04/2005	(4)	(3)	5	5	4	(4)	4	4	(5)	(6)	7	3
केतु 13	3	9		+		गु	श	चं	9	08/03/2006	(2)	(2)	(3)	4	3	4	5	2	3	4	4	(3)
शुक्र 11	10	9	B/Y	*		शु	मं	बु	11	06/11/2008	6	3	3	(5)	(4)	5	5	(3)	(5)	(6)	(3)	4
रवि 01	11	7		++		मं	श	श	12	26/08/2009	(2)	(2)	5	7	3	4	3	(4)	5	(4)	5	4
चंद्र 03	2	2	M	++		श	रा	चं	14	26/12/2010 (s)	5	(3)	3	4	4	(6)	(4)	(5)	(4)	3	4	4
मंगल 18	8	8	M	*		र	शु	चं	15	02/12/2011	4	1	6	(3)	(3)	3	1	(3)	(6)	(3)	(4)	2
राहू 16	9	3		+		बु	चं	मं	17	26/04/2014	2	(4)	4	3	5	(3)	(3)	(3)	(5)	3	2	6

लग्न कुंडली



Lagna

Aspects

**Navamsa
Planets**

	चं	श					मं	रा	शु	र	गु
		के								बु	
	मं	मं	गु	र	गु		चं	श		मं	श
		रा	शु	बु			गु	के			
				श							
11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ल	चं	रा				र	मं	बु			
							श	गु			
								शु			
								के			

	1 Makar	2 Kumbh	3 Meen	4 Mesh	5 Vrishab	6 Mithun	7 Karka	8 Simha	9 Kanya	10 Tula	11 Vrschik	12 Dhan
Guru	9/12/2008 1/5/2009	8/1/1998 26/5/1998	26/5/1998 30/5/1998	26/5/1999 30/5/1999	2/6/2000 30/12/1899	16/6/2001 5/7/2002	5/7/2002 8/7/2002	30/7/2003 3/8/2003	27/8/2004 28/9/2005	28/9/2005 27/10/2006	27/10/2006 30/10/2006	22/11/2007 25/11/2007
	30/7/2009 20/12/2009	6/9/1998 10/9/1998	30/5/1998 6/9/1998	30/5/1999 2/6/2000	17/5/2012 31/5/2013	31/5/2013 19/6/2014	8/7/2002 30/7/2003	3/8/2003 27/8/2004			30/10/2006 22/11/2007	25/11/2007 9/12/2008
		10/9/1998 13/1/1999	13/1/1999 16/1/1999	8/5/2011 11/5/2011			19/6/2014 14/7/2015	14/7/2015 18/7/2015				
		1/5/2009 30/7/2009	16/1/1999 26/5/1999	11/5/2011 17/5/2012			21/6/2014 14/7/2015	18/7/2015 30/12/1899				
		20/12/2009 2/5/2010	2/5/2010 5/5/2010									
		24/10/2010 1/11/2010	5/5/2010 24/10/2010									
		1/11/2010 6/12/2010	6/12/2010 14/12/2010									
			14/12/2010 8/5/2011									
Sani				17/4/1998 23/4/1998								

नव ग्रह रत्न धारण विधि

रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिये इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करने में रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिए गए भार या उससे अधिक भार जो कि सवाया हो एवं पौना ना हो जैसे 4-1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएँ कि रत्न नीचे से अँगुली को स्पर्श करे।

रत्न धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धा पूर्वक स्मरण करना चाहिए। तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए और धूप दीप जलाकर सम्बन्धित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जाप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथा शक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए। यदि आप अन्य कोई रत्न पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एक साथ न पहनें। यह आप निम्नलिखित तालिका से देख सकते हैं। उपरोक्त विधि से रत्न के शुभ फल प्रचर मात्रा में शीघ्र मिल जाते हैं।

रत्न	ग्रह	भार	धातु	अंगुली	वार	समय	नक्षत्र
माणिक्य	रवि	3 रत्ती	सोने	अनामिका	रविवार	प्रातः	कृतिका, उ. फा., उ. षा.
मोती	चंद्र	3 रत्ती	चांदी	कनिष्ठिका	सोमवार	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	मंगलवार	प्रातः	मृग, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4 रत्ती	सोने	कनिष्ठिका	बुधवार	प्रातः	अश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4 रत्ती	सोने	तर्जनी	गुरुवार	प्रातः	पुनर्वसु, विशाखा, पू. भाद्र.
हीरा	शुक्र	1/4 रत्ती	प्लेटिनम	कनिष्ठिका	शुक्रवार	प्रातः	भरणी, पू. भा., पू. षा.,
नीलम	शनि	4 रत्ती	पंचधातु	मध्यमा	शनिवार	संध्या	पुष्य, अनुराधा, उ. भाद्र.
गोमेद	राहू	5 रत्ती	अष्टधातु	मध्यमा	शनिवार	सूर्यास्त	आर्द्रा, स्वाती, शततारका
लहसुनिया	केतु	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	गुरुवार	सूर्यास्त	अश्विनी, मघा, मूल

रत्न	मंत्र	निष्ठ रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ॐ घृणिः सूर्याय नमः	हीरा, नीलम गोमेद	गँहु, गुल, चंदन, लाल वस्त्र
मोती	ॐ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र
मूंगा	ॐ अं अंगारकाय नमः	हारी, गोमेज, नीलम	गँहु, गुल, तांबा, लाल वस्त्र
पन्ना	ॐ बुं बुधाय नमः	---	मूंगा, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र
पुखराज	ॐ बृहस्पतये नमः	हीरा, नीलम	हरभरेका दाल, हलदी, पीला वस्त्र
हीरा	ॐ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र
नीलम	ॐ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	उडद, काले तिल, तेल, काळा वस्त्र
गोमेद	ॐ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल, तेल कम्बल, भूरा वस्त्र
लहसुनिया	ॐ कें केतवे नमः	---	सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र

RADHIKA

सूक्ष्म दशा : 15/02/2021 - 22/06/2024

शनि / शुक्र / शुक्र		
आरंभ	: 15/02/2021	घंटे
अंत	: 27/08/2021	
शुक्र	: 19/03/2021	04
रवि	: 28/03/2021	19
चंद्र	: 13/04/2021	21
मंगल	: 25/04/2021	03
राहू	: 24/05/2021	02
गुरु	: 18/06/2021	20
शनि	: 19/07/2021	09
बुध	: 15/08/2021	17
केतु	: 27/08/2021	00

शनि / शुक्र / रवि		
आरंभ	: 27/08/2021	घंटे
अंत	: 23/10/2021	
रवि	: 29/08/2021	20
चंद्र	: 03/09/2021	14
मंगल	: 06/09/2021	22
राहू	: 15/09/2021	11
गुरु	: 23/09/2021	01
शनि	: 02/10/2021	02
बुध	: 10/10/2021	04
केतु	: 13/10/2021	12
शुक्र	: 23/10/2021	00

शनि / शुक्र / चंद्र		
आरंभ	: 23/10/2021	घंटे
अंत	: 28/01/2022	
चंद्र	: 31/10/2021	02
मंगल	: 05/11/2021	17
राहू	: 20/11/2021	06
गुरु	: 03/12/2021	05
शनि	: 18/12/2021	13
बुध	: 01/01/2022	07
केतु	: 06/01/2022	23
शुक्र	: 23/01/2022	03
रवि	: 28/01/2022	00

शनि / शुक्र / मंगल		
आरंभ	: 28/01/2022	घंटे
अंत	: 05/04/2022	
मंगल	: 31/01/2022	21
राहू	: 10/02/2022	23
गुरु	: 19/02/2022	21
शनि	: 02/03/2022	12
बुध	: 11/03/2022	23
केतु	: 15/03/2022	21
शुक्र	: 27/03/2022	01
रवि	: 30/03/2022	10
चंद्र	: 05/04/2022	00

शनि / शुक्र / राहू		
आरंभ	: 05/04/2022	घंटे
अंत	: 26/09/2022	
राहू	: 01/05/2022	02
गुरु	: 24/05/2022	07
शनि	: 20/06/2022	20
बुध	: 15/07/2022	11
केतु	: 25/07/2022	15
शुक्र	: 23/08/2022	15
रवि	: 01/09/2022	08
चंद्र	: 15/09/2022	20
मंगल	: 26/09/2022	00

शनि / शुक्र / गुरु		
आरंभ	: 26/09/2022	घंटे
अंत	: 27/02/2023	
गुरु	: 16/10/2022	12
शनि	: 09/11/2022	22
बुध	: 01/12/2022	17
केतु	: 10/12/2022	17
शुक्र	: 05/01/2023	09
रवि	: 13/01/2023	02
चंद्र	: 25/01/2023	22
मंगल	: 03/02/2023	21
राहू	: 27/02/2023	00

शनि / शुक्र / शनि		
आरंभ	: 27/02/2023	घंटे
अंत	: 29/08/2023	
शनि	: 27/03/2023	23
बुध	: 22/04/2023	21
केतु	: 03/05/2023	13
शुक्र	: 03/06/2023	01
रवि	: 12/06/2023	05
चंद्र	: 27/06/2023	11
मंगल	: 08/07/2023	03
राहू	: 04/08/2023	14
गुरु	: 29/08/2023	00

शनि / शुक्र / बुध		
आरंभ	: 29/08/2023	घंटे
अंत	: 09/02/2024	
बुध	: 21/09/2023	05
केतु	: 30/09/2023	19
शुक्र	: 28/10/2023	03
रवि	: 05/11/2023	07
चंद्र	: 18/11/2023	23
मंगल	: 28/11/2023	13
राहू	: 23/12/2023	03
गुरु	: 14/01/2024	00
शनि	: 09/02/2024	00

शनि / शुक्र / केतु		
आरंभ	: 09/02/2024	घंटे
अंत	: 17/04/2024	
केतु	: 12/02/2024	23
शुक्र	: 24/02/2024	07
रवि	: 27/02/2024	16
चंद्र	: 04/03/2024	08
मंगल	: 08/03/2024	08
राहू	: 18/03/2024	12
गुरु	: 27/03/2024	14
शनि	: 07/04/2024	08
बुध	: 17/04/2024	00

शनि / रवि / रवि		
आरंभ	: 17/04/2024	घंटे
अंत	: 04/05/2024	
रवि	: 17/04/2024	20
चंद्र	: 19/04/2024	06
मंगल	: 20/04/2024	06
राहू	: 22/04/2024	19
गुरु	: 25/04/2024	01
शनि	: 27/04/2024	18
बुध	: 30/04/2024	04
केतु	: 01/05/2024	03
शुक्र	: 04/05/2024	00

शनि / रवि / चंद्र		
आरंभ	: 04/05/2024	घंटे
अंत	: 02/06/2024	
चंद्र	: 06/05/2024	10
मंगल	: 08/05/2024	02
राहू	: 12/05/2024	10
गुरु	: 16/05/2024	07
शनि	: 20/05/2024	21
बुध	: 25/05/2024	00
केतु	: 26/05/2024	17
शुक्र	: 31/05/2024	13
रवि	: 02/06/2024	00

शनि / रवि / मंगल		
आरंभ	: 02/06/2024	घंटे
अंत	: 22/06/2024	
मंगल	: 03/06/2024	04
राहू	: 06/06/2024	04
गुरु	: 08/06/2024	20
शनि	: 12/06/2024	00
बुध	: 14/06/2024	20
केतु	: 16/06/2024	00
शुक्र	: 19/06/2024	08
रवि	: 20/06/2024	08
चंद्र	: 22/06/2024	00

साढेसाती विचार

चंद्रमां से कुंडली में जब गोचर शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय भाव में होती है तो साढेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैय्या कहलाती है। साढेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैय्या का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है यह सामान्य तौर से शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है। लेकिन कई बार यह अश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है। सामान्य तौर से साढेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है। प्रथम बचपन में दूसरे युवा अवस्था में और तीसरे वृद्धा अवस्था में आती है। प्रथम साढेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता पिता पर पड़ता है। द्वितीय साढेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है और तृतीय साढेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है।

पनोती	शनि भाव	प्रवेश	निकास	पाया	17°	19°
साढेसाती	मीन	16/02/1996	17/04/1998	सोना	4/4/1997	3/1/1998
छोटी पनोती	वृषभ	07/06/2000	23/07/2002	सोना	18/7/2001	4/5/2002
छोटी पनोती	वृषभ	08/01/2003	07/04/2003	सोना		
छोटी पनोती	कन्या	10/09/2009	15/11/2011	तांबा	28/10/2010	20/8/2011
छोटी पनोती	कन्या	16/05/2012	04/08/2012	चांदी		
साढेसाती	मकर	24/01/2020	29/04/2022	लोहा	29/3/2021	21/1/2022
साढेसाती	कुंभ	29/04/2022	12/07/2022	चांदी		
साढेसाती	मकर	12/07/2022	17/01/2023	सोना		
साढेसाती	कुंभ	17/01/2023	29/03/2025	तांबा	11/3/2024	27/12/2024
साढेसाती	मीन	29/03/2025	03/06/2027	चांदी	20/5/2026	11/3/2027
साढेसाती	मीन	20/10/2027	23/02/2028	लोहा		
छोटी पनोती	वृषभ	08/08/2029	05/10/2029	चांदी		
छोटी पनोती	वृषभ	17/04/2030	31/05/2032	लोहा	25/5/2031	18/6/2031
छोटी पनोती	कन्या	22/10/2038	05/04/2039	सोना		
छोटी पनोती	कन्या	13/07/2039	28/01/2041	चांदी	26/12/2039	2/10/2040
छोटी पनोती	कन्या	06/02/2041	26/09/2041	तांबा		
साढेसाती	मकर	06/03/2049	10/07/2049	चांदी		
साढेसाती	मकर	04/12/2049	25/02/2052	चांदी	2/2/2051	15/11/2051
साढेसाती	कुंभ	25/02/2052	14/05/2054	सोना	24/4/2053	14/2/2054
साढेसाती	मीन	14/05/2054	02/09/2054	सोना		
साढेसाती	कुंभ	02/09/2054	05/02/2055	तांबा		
साढेसाती	मीन	05/02/2055	07/04/2057	तांबा	25/3/2056	18/4/2056
छोटी पनोती	वृषभ	27/05/2059	11/07/2061	तांबा	5/7/2060	21/4/2061
छोटी पनोती	वृषभ	13/02/2062	07/03/2062	चांदी		
छोटी पनोती	कन्या	30/08/2068	04/11/2070	लोहा	17/10/2069	5/8/2070
साढेसाती	मकर	15/01/2079	12/04/2081	लोहा	16/3/2080	11/1/2081
साढेसाती	कुंभ	12/04/2081	03/08/2081	तांबा		
साढेसाती	मकर	03/08/2081	07/01/2082	चांदी		
साढेसाती	कुंभ	07/01/2082	20/03/2084	चांदी	3/3/2083	1/12/2083
साढेसाती	मीन	20/03/2084	21/05/2086	तांबा	8/5/2085	28/2/2086
साढेसाती	मीन	10/11/2086	08/02/2087	सोना		
छोटी पनोती	वृषभ	18/07/2088	31/10/2088	चांदी		
छोटी पनोती	वृषभ	05/04/2089	18/09/2090	लोहा	15/5/2090	7/6/2090
छोटी पनोती	वृषभ	25/10/2090	21/05/2091	तांबा		
छोटी पनोती	कन्या	11/10/2097	02/05/2098	सोना		
छोटी पनोती	कन्या	20/06/2098	26/12/2099	सोना	5/12/2098	23/9/2099
छोटी पनोती	कन्या	17/03/2100	16/09/2100	लोहा		
साढेसाती	मकर	24/02/2108	29/07/2108	सोना		
साढेसाती	मकर	23/11/2108	17/02/2111	चांदी	25/1/2110	19/2/2110
साढेसाती	कुंभ	17/02/2111	02/05/2113	लोहा	12/4/2112	5/2/2113
साढेसाती	मीन	02/05/2113	22/09/2113	तांबा		
साढेसाती	कुंभ	22/09/2113	25/01/2114	लोहा		
साढेसाती	मीन	25/01/2114	29/03/2116	लोहा	18/3/2115	11/4/2115

RADHIKA

साढेसाती विचार

शु	चं	गु	बु
12	11	10	9
1	शु	7	रा
2	3	4	5
6	मं		

House :	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
Rasi :	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9
Sarvashtak :	27	20	29	30	26	32	27	29	33	29	31	24
Binnashtak :	3	1	2	4	4	4	4	4	3	4	3	3

(Note : 'A' stands for aspects of Sani)

साढेसाती	16/02/1996	17/04/1998	सोना			IN		A			A			A
छोटी पनोती	07/06/2000	23/07/2002	सोना		A			IN		A			A	
छोटी पनोती	08/01/2003	07/04/2003	सोना		A			IN		A			A	
छोटी पनोती	10/09/2009	15/11/2011	तांबा			A			A		IN		A	
छोटी पनोती	16/05/2012	04/08/2012	चांदी			A			A		IN		A	
साढेसाती	24/01/2020	29/04/2022	लोहा	IN		A				A			A	
साढेसाती	29/04/2022	12/07/2022	चांदी		IN		A				A		A	
साढेसाती	12/07/2022	17/01/2023	सोना	IN		A				A			A	
साढेसाती	17/01/2023	29/03/2025	तांबा		IN		A				A		A	
साढेसाती	29/03/2025	03/06/2027	चांदी			IN		A			A			A
साढेसाती	20/10/2027	23/02/2028	लोहा			IN		A			A			A
छोटी पनोती	08/08/2029	05/10/2029	चांदी		A			IN		A			A	
छोटी पनोती	17/04/2030	31/05/2032	लोहा		A			IN		A			A	
छोटी पनोती	22/10/2038	05/04/2039	सोना			A			A		IN		A	
छोटी पनोती	13/07/2039	28/01/2041	चांदी			A			A		IN		A	
छोटी पनोती	06/02/2041	26/09/2041	तांबा			A			A		IN		A	
साढेसाती	06/03/2049	10/07/2049	चांदी	IN		A				A			A	
साढेसाती	04/12/2049	25/02/2052	चांदी	IN		A				A			A	
साढेसाती	25/02/2052	14/05/2054	सोना		IN		A				A		A	
साढेसाती	14/05/2054	02/09/2054	सोना			IN		A				A		A
साढेसाती	02/09/2054	05/02/2055	तांबा		IN		A				A		A	
साढेसाती	05/02/2055	07/04/2057	तांबा			IN		A			A			A
छोटी पनोती	27/05/2059	11/07/2061	तांबा		A			IN		A			A	
छोटी पनोती	13/02/2062	07/03/2062	चांदी		A			IN		A			A	
छोटी पनोती	30/08/2068	04/11/2070	लोहा			A			A		IN		A	
साढेसाती	15/01/2079	12/04/2081	लोहा	IN		A				A			A	
साढेसाती	12/04/2081	03/08/2081	तांबा		IN		A				A		A	
साढेसाती	03/08/2081	07/01/2082	चांदी	IN		A				A			A	
साढेसाती	07/01/2082	20/03/2084	चांदी		IN		A				A		A	
साढेसाती	20/03/2084	21/05/2086	तांबा			IN		A			A			A
साढेसाती	10/11/2086	08/02/2087	सोना			IN		A			A			A
छोटी पनोती	18/07/2088	31/10/2088	चांदी		A			IN		A			A	
छोटी पनोती	05/04/2089	18/09/2090	लोहा		A			IN		A			A	
छोटी पनोती	25/10/2090	21/05/2091	तांबा		A			IN		A			A	
छोटी पनोती	11/10/2097	02/05/2098	सोना			A			A		IN		A	
छोटी पनोती	20/06/2098	26/12/2099	सोना			A			A		IN		A	
छोटी पनोती	17/03/2100	16/09/2100	लोहा			A			A		IN		A	
साढेसाती	24/02/2108	29/07/2108	सोना	IN		A				A			A	
साढेसाती	23/11/2108	17/02/2111	चांदी	IN		A				A			A	
साढेसाती	17/02/2111	02/05/2113	लोहा		IN		A				A		A	

साडेसाती के उपाय

शनि की साडेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए दान, पूजन व्रत, मंत्र आदि उपाय किए जा सकते हैं।

इसके लिए शनिवार को काला कम्बल, उड़द की दाल, काले-तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोह का दान करना चाहिए। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार को व्रत रखना चाहिए। उपवास के दिन उड़द के दाल की बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिए। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 23000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए।

ॐ प्रौं प्रीं प्रों सः शनैश्चराय नमः

शनि की साडेसाती में शारीरिक, मानसिक पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए निम्नलिखित महामृत्यंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिए।

**ॐ त्र्यम्बकम् यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्
उर्वारूकमिव बन्धनात् मृत्योर्मुक्षीय मङ्गमृतात्**

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ॐ हों जूं सः ॐ भूर्भुवः स्वः ॐ

शनि की साडेसाती के शुक्ल को बढ़ाने के लिए 5-1/4 रस्ती का नीलम सोने या पंच धातु (सोना, चांदी, तांबा, लोहा तथा जस्ता) में जड़वाकर शनिवार के दिन धारण करना चाहिए। रत्न अंगुली का निम्नभाग अवश्य स्पर्श करें। विकल्प में घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोह की अंगुठी भी धारण कर सकते हैं। अंगुठी एवं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगुठी शुक्ल पक्ष में शनिवार की शाम कतौ सूर्यास्त से आधा घंटा पूर्व धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ है। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगुठी धारण करने से शुद्ध दूध एवं गंगाजल में धोना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए।

ॐ शं शनैश्चराय नमः

अंगुठी धारण करने के पश्चात् शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव कमी आएगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व, आकृति एवं प्रकृति

1



पृथ्वी तत्व

आप मकर लग्न में उत्पन्न हुए हैं। अतः आप आपका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं शरीर भी हृष्ट पुष्ट रहेगा। आपकी बुद्धि भी तीव्र रहेगी तथा अपने समस्त सांसारिक महत्व के कार्य को बुद्धिमत्ता पूर्वक सम्पन्न करेंगे। स्वभाव से आप अत्यंत ही शांति प्रिय होंगे परंतु चेहरे से अभिमान का भाव स्पष्ट परिलक्षित होगा। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों की सेवा करने में तत्पर रहेंगे। आपके व्यक्तित्व की एक विशेषता रहेगी की आप आदर्शवाद तथा आध्यात्मिकता में प्रवृत्त होते हुए भी सांसारिक सुखों के प्रति पूर्ण रूप से आकृष्ट रहेंगे तथा परिश्रम पूर्वक भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करके उपभोग करेंगे।

आप एक अध्ययन शील व्यक्ति होंगे तथा विभिन्न शास्त्रों का आपको ज्ञान होगा। संबंधियों तथा मित्रों से मधुर संबंध रहेंगे एवं अपनी ओर से उनको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे। नीति संबंधी कार्यों में भी आप निपुण रहेंगे तथा इससे सभी लोग प्रभावित रहेंगे। साथ ही एक विदुषी के रूप में समाज में आपकी छवि रहेगी। आप अपने कुल या परिवार में श्रेष्ठ रहेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य जनों का भरण पोषण करने में सफल रहेंगे।

जीवन में आप समस्त कार्यों को नियमपूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा समाज में अन्य जनों के मन के रहस्य को जानने में समर्थ रहेंगे। धन ऐश्वर्य एवं वैभव से भी आप युक्त रहेंगे तथा समाज में यथोचित सम्मान, मान प्रतिष्ठा एवं ख्याति अर्जित करने में सफल होंगे। घुड़सवारी के प्रति भी आपका आकर्षण हो सकता है। आप निःस्वार्थ भाव से अन्य जनों की सेवा करेंगे। परंतु अन्य जनों पर अल्प मात्रा में ही विश्वास करेंगे। सत्य का यत्नपूर्वक आप अनुकरण करेंगे तथा दानशीलता के भाव का भी परिचय देंगे। आपकी एक विशेषता यह भी रहेगी कि बिना कहे दूसरों की बातों में अपने विचार प्रकट नहीं करेंगे जब तक कि आपसे पूछा न जाए। आप एक निश्चित आदर्शवाद को लेकर संघर्ष करेंगे तथा अनावश्यक द्वेष या ईर्ष्या की भावना आपमें नहीं रहेगी। आपको केवल प्रेम एवं सद्भावना से ही वश में किया जा सकता है। किसी भौतिक प्रलोभन से नहीं।

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व, आकृति एवं प्रकृति

1



पृथ्वी तत्व

करेंगे। साथ ही व्यापार कानून या प्रशासनिक कार्यों से भी आप लाभ अर्जित कर सकते हैं। कला के प्रति भी आपके मन में रुचि रहेगी तथा अवसरानुकूल इनका ज्ञान भी अर्जित कर सकते हैं। राजनीति के क्षेत्र में आप अपने धैर्य, व्यवहार कुशलता एवं शांत स्वभाव के कारण सफलता अर्जित कर सकते हैं। इस प्रकार आप परिश्रम से कार्य सम्पन्न करते हुए त्यागमय सादा एवं सेवापरायण जीवन व्यतीत करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

2



वायु तत्व

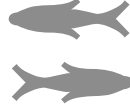
आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में कुंभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा बुराईयों के प्रति हमेशा सजग रहेंगे। आप एक कर्तव्य परायण व्यक्ति होंगे तथा पारिवारिक जनों के प्रति आपके मन में पूर्ण लगाव रहेगा साथ ही घर को भी हमेशा सुंदर तथा आकर्षक रूप से देखना पसंद करेंगे। आपकी प्रवृत्ति स्पष्ट बोलने की रहेगी तथा जो कुछ भी आपके मन में हो वह स्पष्ट रूप से अन्य जनों के समक्ष कह देंगे। साथ ही आप में निस्वार्थता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा अपने कार्य कलापों को इसी भाव से सम्पन्न करते रहेंगे परंतु अन्य जनों की बातों में शीघ्र ही आएंगे जिससे यदा कदा आपको अनावश्यक समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

पारिवारिक जनों के लिए आप अत्यधिक चिंतित रहेंगे तथा मानसिक एवं भावनात्मक रूप से आपका उनसे लगाव रहेगा। साथ ही पारिवारिक जनों के साथ समय समय पर धार्मिक एवं शुभ कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी धनवान व्यक्ति के सहयोग से आप इच्छित लाभ प्राप्त करेंगे। आप में अनावश्यक चंचलता के भाव का अभाव रहेगा तथा आप किसी भी चीज को शांति पूर्वक ग्रहण करेंगे। आपकी वाणी में मधुरता रहेगी तथा विभिन्न स्वादों का आस्वादन करना आपको रूचिकर लगेगा। साथ ही परोपकार संबंधी कार्यों में भी आपकी रूचि होगी।

चंद्रमा यदि किसी जातक के जन्म समय में दूसरे स्थान में हो तो वह व्यक्ति धन धान्य से पूर्ण होता है। वह जीवन साथी के साथ विलास करता है, शरीर से अत्यंत सुखी होता है। इसे अपने कुटुम्ब से मोह कम होता है। इस जातक के धन की वृद्धि होती रहती है, सुंदर जीवन साथी को देखकर इसके मन में सहज ही प्रेम का उदय होता है। इसके घर में लक्ष्मी का वास होता है। यह जातक बहुत बड़े परिवार वाला होता है, उसके घर में बहुत धन ऐश्वर्य होता है। यह दानी, बुद्धिमान, चंचल, सुखी, यशस्वी, सहनशील, और कमल की भाँति कीर्तिमान और लोकप्रिय होता है।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन, लक्ष्ययात्राएं

3



जल तत्व

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आप मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा आपकी स्मरण शक्ति भी तीव्र होगी तथा गहन विषयों को स्मरण रखने में समर्थ रहेंगे। आपके भाई बहन आपके प्रति आज्ञाकारी, कर्तव्य परायण रहेंगे तथा उन्नति के क्षेत्र में परस्पर आपको सहयोग करेंगे। आपकी बुद्धि उच्चशिक्षा, दर्शन या शोधकार्यों के प्रति रूचिशील रहेगी तथा इस क्षेत्र में यत्नपूर्वक सफलताएं अर्जित करते रहेंगे। इसके साथ ही पारिवारिक शांति एवं समृद्धि के लिए एक दूसरे की कमियों तथा गलतियों की उपेक्षा करेंगे इससे सौहार्द का भाव बना रहेगा।

आप में नेतृत्व के गुण विद्यमान रहेंगे। अतः समाज में मान सम्मान तथा ख्याति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही संगीत के प्रति भी आपका आकर्षण रहेगा एवं कला के लिए भी समय प्रदान करेंगे। साथ ही परिवार का स्तर बढ़ाने में भी तत्पर रहेंगे। आप में संगठन शक्ति रहेगी अतः किसी लाभदायक कार्य को देखकर आप तुरंत उसे करने के लिए तैयार हो जाएंगे। भौतिकता की प्राप्ति के लिए भी हमेशा यत्नशील रहेंगे। आधुनिक संचार साधनों यथा टेलीफोन, टेलीविजन, वाहन तथा अन्य उपकरणों से आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। दूर समीप की यात्रा करने से आपको ख्याति प्राप्त होगी तथा धार्मिक या सूचना संबंधी लेखों को पढ़ने में आपकी रूचि रहेगी। इसके अतिरिक्त आप धनवान, धर्मात्मा, अतिथिसेवक तथा सर्वजनों के प्रिय होकर सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

जिस जातक के जन्म समय में शनि तीसरे भाव में होता है वह अपने भाईयों से विशेष लाभ प्राप्त नहीं कर पाता। कड़ी मेहनत के बाद भी अपेक्षित लाभ हासिल नहीं कर पाता। इस कारण यह अस्थिर रहता है लेकिन यह लोगों को आश्रय देता है। खर्च सदैव अधिक होने से जातक उलझन में रहता है।

माता, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, जायदाद एवं शिक्षा

4



अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से आपकी माताजी बुद्धिमत्ती तथा स्वच्छन्द प्रवृत्ति की व्यक्ति होंगी तथा उनकी प्रवृत्ति जोर से बोलने की रहेगी लेकिन हृदय से वे कोमल होंगी तथा परिवार का प्रेम पूर्वक लालन पालन करेंगी। वे एक आकर्षक व्यक्ति होंगी तथा अपने आवश्यक कार्यों में हमेशा सक्रिय रहेगी। साथ ही किसी की उपस्थिति में वे उसकी प्रशंसा नहीं करेंगी। यद्यपि उनका स्वभाव तेज होगा परंतु प्रेम एवं आदर के भाव से वे संतुष्ट रहेगी। आपका आवास किसी समृद्ध क्षेत्र में होगा तथा आधुनिक सुख सुविधाओं से सम्पन्न रहेगे। घर की साज सज्जा के विषय में आप पूर्ण सतर्क रहेंगे तथा अपनी ओर से यथोचित मात्रा में उसका आकर्षण बनाए रखेंगे। साथ ही घर में बगीचा उपलब्ध होगा।

वाहन संबंधी सुख की आपको प्राप्ति होगी तथा उत्तम वाहन से युक्त होकर सुख पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। ज्योतिष एवं तंत्र मंत्र के प्रति भी आपका विश्वास रहेगा तथा इनका न्यूनाधिक ज्ञान भी प्राप्त करेंगे। पैतृक सम्पत्ति की भी आपको प्राप्ति होगी एवं प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। उच्च शिक्षा को आप परिश्रम पूर्वक अर्जित करने में समर्थ रहेंगे लेकिन अंतिम वर्ष में आप किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही गुप्त या विशेष धन प्राप्ति के भी योग बनेंगे। इसके अतिरिक्त वाहन, परिवार, खाद्य, पेय आदि सुगंधिक द्रव्यों से युक्त होकर तथा स्वपराक्रम से सफलताएँ अर्जित करके प्रसन्नता पूर्वक आप अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

बुद्धि, सन्तान एवं प्रणय सम्बन्ध

5



पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में पंचम भाव में वृषभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपनी उच्चशिक्षा को पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे। आपका असाधारण आत्मविश्वास ही आपकी सफलता की कुंजी होगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को दृढ़ता पूर्वक सम्पन्न करके सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही बौद्धिक साहित्य का अध्ययन एवं ज्योतिष आदि के प्रति भी रूचिशील रहेंगे तथा यत्न पूर्वक ज्ञान अर्जित करेंगे।

आप अपने जीवन साथी के प्रति पूर्ण भावुक तथा उनसे लगाव रखेंगे। वाद विवाद करना आपको अच्छा नहीं लगेगा तथा संदेह करना आपके लिए उपेक्षा के योग्य रहेगा। इस प्रकार आप जीवन में सुखी परिवार के स्वामी रहेंगे। आप अपने जीवन साथी का पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा उनकी सुख सुविधाओं का यथोचित प्रबंध करेंगे। आधुनिक भौतिक सुख संसाधनों के प्रति आपका तीव्र आकर्षण रहेगा तथा इसे प्राप्त करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे। संतति से आप युक्त रहेंगे तथा उनका पालन पोषण एवं शिक्षा दीक्षा का उचित प्रबंध करेंगे तथा इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं आने देंगे। वे इसका महत्व बाद में समझेंगे पहले वे इसकी उपेक्षा करेंगे। आपकी संतति सौभाग्यशाली रहेगी तथा धर्म के प्रति अनुपालन करते हुए समाज में उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

6



आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपको संबंधियों तथा धनिष्ठ मित्रों से विरोध का सामना करना पड़ेगा। अपने कार्य कलापों से शत्रु एवं विरोधी पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे तथा अपनी समस्याओं तथा परेशानियों का सफलता पूर्वक समाधान करेंगे। आप दीवानी तथा फौजदारी दोनों प्रकार के मुकदमों से संबंधित रहेंगे। आपके शत्रुवर्ग उच्चाधिकार प्राप्त व्यक्ति होंगे। वे आपकी प्रसिद्धि को पसंद नहीं करेंगे तथा आपकी वैभवशीलता को देखकर मन में ईर्ष्या का भाव रहेगा। आपकी आप सामाजिक अवमानना तथा आर्थिक हानि प्रदान करने के लिए भी तत्पर रहेंगे परंतु आप एक चतुर बुद्धिमान एवं प्रभावशाली व्यक्ति होंगे। इन कार्यों को अत्याधिक बुद्धिमत्ता एवं चतुराई से सम्पन्न करना चाहिए अन्यथा इनसे आपको अर्थिक हानि हो सकती है। चूंकि आप अपने ही तरीके से सभी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा दूसरों को उसमें कोई महत्व नहीं देंगे तथापि अन्त में आपको इनमें सफलता अवश्य प्राप्त होगी तथा प्रसिद्धि भी मिलेगी।

आपका सेवक वर्ग अच्छा रहेगा तथा ईमानदारी से वे आपकी सेवा करेंगे, आज्ञा का पालन भी करते रहेंगे। यदा कदा आपके गुप्त रहस्यों को वे अन्य जनों के समक्ष कहेंगे जिससे आपके सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी अतः सेवक वर्ग के सम्मुख व्यक्तिगत वार्तालाप न करें। साथ ही नौकरों की पहुँच से कीमती सामान दूर ही रखें।

आप कई बार आय से अधिक व्यय भौतिक आराम की वस्तुओं पर कर देंगे जिससे आर्थिक विषमता होगी तथा आपको ऋण आदि लेना पड़ेगा। वृद्धवस्था में चिंता या रक्तचाप आदि से आप परेशान हो सकते हैं। अतः आपको ऐसी स्थितियों की उपेक्षा करनी चाहिए। आपके मामा मामी तथा अन्य संबंधी आपके लिए अनुकूल रहेंगे तथा मामा से आपको पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन होता रहेगा। अतः युवावस्था में ही खर्च पर नियंत्रण रखकर ऐसी समस्याओं से सुरक्षित रहना चाहिए।

दम्पति, विवाह एवं साझेदार

7



जल तत्व

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चंद्रमा है अतः इसके प्रभाव से आपके जीवन साथी सुंदर आकर्षक तथा शांत स्वभाव के व्यक्ति होंगे। प्रेम संबंध में आप अत्यधिक सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक निर्णय लेंगे तथा इसमें शीघ्रता नहीं करेंगे यही कारण है कि अपने जीवन साथी के चुनाव में आपको काफी समय लगेगा। अतः आपको ऐसी स्थितियों की उपेक्षा करनी चाहिए। आपके मामा मामी तथा अन्य संबंधी आपके लिए अनुकूल रहेंगे तथा मामा से आपको पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन होता रहेगा। यद्यपि आप में रोमांटिकता के भाव की न्यूनता रहेगी तथापि अपने जीवन साथी तथा पारिवारिक जनों की पूर्ण सुख सुविधा का ध्यान रखेंगे तथा जीवन साथी को प्रसन्न एवं संतुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

आप धन का व्यय हमेशा सोच समझकर करेंगे तथा परिवार की शांति एवं समृद्धि के लिए समय समय पर यथोचित व्यय करते रहेंगे। साथ ही संबंधों में भी विश्वासनीय बनेंगे। पुश्तैनी कार्य, सिंचाई विभाग, बैंक या शिक्षा विभाग की नौकरी आप या आपके जीवन साथी के लिए शुभ एवं लाभप्रद रहेगी तथा इनमें आपको आसानी से उन्नति भी प्राप्त होगी। परिवार में आपका वर्चस्व रहेगा तथा अधिकांश कार्य आपकी सलाह से ही सम्पन्न होंगे। वृश्चिक कर्क और मीन लग्न में उत्पन्न जातक आपके लिए विवाह संबंध, व्यापार में साझेदार या मित्रता आदि के लिए उपयुक्त रहेंगे तथा इनसे आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त आपके जीवन साथी मनोहर, भाग्यवान शांतप्रवृत्ति एवं अपनी सम्मति से कार्य करने वाले होंगे तथा जीवन में इच्छित धन वैभव एवं आनंद प्राप्त करेंगे

दहेज, बीमा, आयु एवं दुर्घटना

8



अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है अतः इसके प्रभाव से आप आध्यात्म या ज्योतिष आदि विषयों पर श्रद्धा रखेंगे तथा न्यूनाधिक रूप से इसका आपको ज्ञान रहेगा। आप चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामी होंगे तथा पैतृक सम्पत्ति भी प्राप्त करेंगे। साथ ही इन विषयों में किसी प्रकार का शोधकार्य आदि भी सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक चिंतन मनन में व्यतीत करेंगे तथा इसमें आपको ख्याति भी अर्जित हो सकती है। अतः आपके पास विस्तृत भूमि तथा अन्य प्रकार की जायदाद रहेगी साथ ही जायदाद संबंधी व्यवसाय या क्रय विक्रय से भी आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित कर सकते हैं। अतः समाज में आप एक आदरणीय व्यक्ति होंगे।

आपकी ससुराल भी सुसंपन्न होगी सर्वप्रकार से वे खुशहाल होंगे अतः आपका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। बीमा आदि के क्षेत्र में भी आपको समय समय पर लाभ होता रहेगा। अतः आपको स्वयं का तथा अपनी बहुमूल्य वस्तुओं का बीमा अवश्य करवाना चाहिए। यह बीमा आपका सुरक्षित पूंजी निवेश होगा तथा इससे आपको उचित लाभ मिलेगा आपकी कुंडली में चोरी या दुर्घटना आदि का कोई विशेष योग नहीं है तथापि शारीरिक सुरक्षा के प्रति आपको सतर्क रहना चाहिए इसके अतिरिक्त आपकी आयु भी अच्छी रहेगी तथा समस्त जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

जिस जातक के जन्म समय में मंगल आठवे भाव में होता है वह जातक मित्रों से प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त रहने पर भी उसके मित्र अनुकूल व्यवहार नहीं करते हैं और उद्योग में मेहनत करने के बावजूद भी उचित फल नहीं मिल पाता। मानसिक शांति भंग होती रहती है। जातक का विवाह मध्यम परिवार में होता है। ग्रहों की दशा अच्छी न होने पर इसकी आयु मध्यम रहती है। यह चाहकर भी अच्छे कार्य नहीं कर पाता।

सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएँ

9



पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में नवम भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। इसके प्रभाव से आप एक आदर्श तथा दयालु स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा पारिवारिक परम्पराओं एवं रीति रिवाजों का पालन करने में तत्पर रहेंगे। इसी परिपेक्ष्य में मंदिरों या तीर्थ स्थानों की यात्रा भी करेंगे। गुरु एवं महात्माओं के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा आप उनकी सेवा करने में भी तत्पर रहेंगे। साथ ही ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा यत्न पूर्वक धार्मिक प्रवृत्तियों या अनुष्ठानों को समय समय पर सम्पन्न करते रहेंगे। आध्यात्म संबंधी ग्रंथों का भी आपको ज्ञान रहेगा। साथ ही ध्यान एवं योग की क्रियाएँ भी समय समय पर सम्पन्न करते रहेंगे।

आपकी अंतरप्रज्ञा शक्ति प्रबल रहेगी तथा पूर्वाभास या भविष्यवाणियाँ आपकी सत्य सिद्ध होगी। पौत्रों से आपको इच्छित सुख प्राप्त होगा तथा दैनिक पूजा से भी आप नित्य सम्पन्न करेंगे एवं युवावस्था के बाद आपको मानसिक संतुष्टि प्राप्त होगी। अपनी ओर से आप अन्य जनों को हमेशा धर्म के मार्ग पर जाने के लिए प्रेरित करेंगे तथा सामूहिक रूप से उनको संबोधित भी कर सकते हैं। इन सब कार्यों से आपको आनंद की प्राप्ति होगी व्यक्तिगत कार्यों की सिद्धि या अन्य लाभार्जन आदि के उद्देश्य से आपकी लम्बी दूरी की यात्राएँ भी समय समय पर होती रहेगी साथ ही धर्म के पवित्र ग्रंथों का आप अध्ययन करके ज्ञान प्राप्त करेंगे तथा दीन दुःखियों को समय समय पर दान आदि भी देते रहेंगे परंतु ये सभी कार्य आप धन की अपेक्षा तन मन से करना अधिक पसंद करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने पूर्व जन्म के किए हुए पुण्यों के प्रभाव से वर्तमान में आप इच्छित धन ऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करेंगे तथा सुख पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

जिस जातक के जन्म समय में राहु नवम भाव में होता है, वह विद्वान होता है। यह अपने गुणों से सर्वत्र सम्मान पाता है तथा पूजित होता है। यह सभ्य और सहृदय, देवताओं में श्रद्धा रखने वाला और तीर्थों की यात्रा करने वाला धार्मिक स्वभाव का होता है। कभी किसी के उपकार को न भूलने वाला कृतज्ञ होता है। अपने धन का दान करके सुखी होने वाला, कार्य प्रारंभ करके उनको पूरा करने वाला, दृढ़ चित्त व निर्मल कीर्ति युक्त होता है।

पिता, व्यवसाय, एवं सामाजिक स्तर

10



आपके जन्म समय में दशम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। इसके प्रभाव से आपके पिताजी का स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से भी वे प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे साथ ही उत्तम रहन सहन खान पान तथा कला एवं संगीत के प्रति उनकी पूर्ण रूचि रहेगी। सामाजिक जनों के प्रति उनके मन में सहानुभूति पूर्ण दृष्टिकोण रहेगा। वे अंतर्प्रज्ञा शक्ति से भी युक्त रहेंगे कल्पनाशीलता के भाव की भी प्रबलता रहेगी। अतः इसके प्रभाव में सम्माननीय तथा प्रसिद्ध रहेंगे।

आपके लिए अध्यापन कार्य इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक उपकरण संबंधी कार्य, भूमि एवं खान से निकले खनिज पदार्थ संबंधी कार्य उत्तम क्षेत्र रहेगा। इसमें आप इच्छित उन्नति एवं सफलता आसानी से अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। चूंकि आपके वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। अतः आपको अपने कार्य को ईमानदारी तथा नियम पूर्वक सम्पन्न करना चाहिए। साथ किसी संस्था में सम्माननीय पद या नौकरी आदि से भी आजीविका अर्जित कर सकते हैं। शक्ति एवं अधिकार से आप हमेशा युक्त रहेंगे तथा अधिकारी वर्ग से भी समय समय पर लाभ होता रहेगा। मुकदमे आदि कार्यों में आपकी रूचि अल्प ही रहेगी ऐसे अवसरों की आपको यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। आप अच्छे लेखक संगीतज्ञ या वास्तुकला के ज्ञाता हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप व्यापारी, धार्मिक कार्यों में संलग्न, परोपकारी तथा भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा सम्मान पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

जिस जातक के दसवें भाव में जन्म समय में शुक्र होता है वह वंश वृद्धि करने वाले वीर्य को अवरुद्ध करता रहता है। इस जातक के कार्य इसके ही भ्रम के कारण बिगड़ जाते हैं। यह जातक ब्राह्मणवृत्ति से अर्थात् भिक्षा दानादि पाकर अपने को समृद्ध बनाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहता है। यह जातक बहुत प्रतापी होता है, यह अपने संकल्पों को पूरा करने की शक्ति रखने वाला होता है। यह शुभकर्मों को करने वाला तथा अच्छे अच्छे वाहनों से युक्त होता है। अच्छे कर्म करने से अपने यश को चारों ओर फैलाने में सफल होता है।

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ माता एवं आकांक्षाएं

11



जल तत्व

आपके जन्म समय में एकादश भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से आपकी प्रवृत्ति किसी भी क्षेत्र में अन्त तक संघर्ष करने की रहेगी जब तक की आपको उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति न हो जाए। इस प्रकार स्वपराक्रम एवं योग्यता से ही जीवन में उन्नति करेंगे तथा अन्य जनों के सहयोग की इसमें अल्पता रहेगी। अपनी इसी संघर्षशील एवं क्रियाशीलता के कारण आप जीवन में अपनी महत्वाकांक्षाएँ तथा मानसिक इच्छाओं एवं संकल्पों को पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे।

आर्थिक क्षेत्र में प्रगति करने के लिए आप सौभाग्यशाली रहेंगे। आप होटल व्यवसाय, सोने का व्यापार अथवा भाइयों के प्रोत्साहन से जीवन में इच्छित मात्रा में लाभ एवं धनार्जन करेंगे यदि स्वयं कार्यरत नहीं है। आपके जीवन साथी लाभार्जन करेंगे इच्छित धन ऐश्वर्य से आप सर्वदा सम्पन्न रहेंगे तथा बड़े भाइयों से जीवन में आपको स्नेह, प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन मिलता रहेगा तथा आप भी उनका पितृवत् आदर करेंगे।

आप पराक्रमी सक्रीय बुद्धिमान एवं शिक्षित लोगों को अपना मित्र बनाना पसंद करेंगे यद्यपि आपकी प्रवृत्ति स्वच्छंद होगी फिर भी सामूहिक रूप से आपको कार्य करना रुचिकर लगेगा। आप सामाजिक जनों की समय समय पर भलाई तथा सहायता करते रहेंगे जिससे जीवन में किसी विशिष्ट सम्मान को अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगे। आपका सामाजिक स्तर भी उच्च रहेगा तथा अपने क्षेत्र या समाज में ख्याति प्राप्त करेंगे तथा सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। यदा कदा बाएं कान में परेशानी से कष्ट प्राप्त करेंगे। आपका सामान्य समय सुख ऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा

जिस जातक के जन्म समय में सूर्य एकादश भाव में होता है उसकी आंखें सुंदर होती हैं। बड़े भाई के स्नेह में न्यूनता रहती है। उसे राज्य की धनप्राप्ति होती है। राज्य में इसकी अधिकारी होने की मान्यता होती है। इसके प्रताप से शत्रु भी घबराते हैं। इसे संतान से विशेष सुख नहीं मिल पाता। मनुष्य गणितशास्त्र का ज्ञाता होता है। धनाढ्य या शुभकर्म करने वाला तथा जनता में नेता तथा

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ माता एवं आकांक्षाएं

11



जल तत्व

समाज में श्रेष्ठ व्यक्ति होता है। इस जातक का विद्या से प्रेम होता है। इसकी रूची शुभकार्य में होती है। यह किर्तीमान और धनसे परिपूर्ण होता है। इसे राज्य में नित्य ही धन की प्राप्ति होती है।

जिस जातक के जन्म समय में बुध ग्यारहवें भाव में होता है, वह अत्यंत द्रव्य धन लाभ करता है। यह जातक मित्रों को प्रिय, अतिगुणी, बुद्धिमान होता है। इसे भूख कम होती है। यह विद्वान, धनी, सुशील, भोगी, नित्य लाभ करने वाला होता है। यह जातक निरोगी, सदा सुखी लोगों से सद्व्यवहार करने वाला और किर्तीवान होता है। यह व्यक्ति दीर्घायु, धनाढ्य सुखी, सत्याचार करने वाला होकर नौकर चाकरों से सुख पाता है। यह जातक वेदशास्त्र में श्रद्धालु, अपने कुल का पूरी तरह से हितैषी धनाढ्य, जातक बल्लभ, सुंदर श्यामवर्ण और मोहक नेत्रों वाला होता है। इसकी संतान आज्ञाकारी होती है। यह कल्याणमय जीवन व्यतीत करता है। इसको बुध की स्थिति विशेष होने से अच्छे या विपरीत मार्गों से धन प्राप्त होता है।

हानि, बन्धन, कर्ज, आवास परिवर्तन एवं मोक्ष

12



अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आप जीवन में मान सम्मान तथा ख्याति से युक्त रहेंगे एवं धनार्जन करने में भी सर्वदा तत्पर रहेंगे। इसके लिए आपको चाहे कितना ही परिश्रम क्यों न करना पड़े तथा परिश्रम पूर्वक अपने उद्देश्य की ओर अग्रसर रहेंगे तथा ऐसे किसी भी अवसर को हाथ से नहीं जाने देंगे जिससे आपको उन्नति या लाभ मार्ग दिखता हो। धन के महत्व को आप अच्छी तरह जानेंगे अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। साथ ही इस विषय में कभी भी कोई खतरा नहीं उठाएंगे।

अर्जित धन से भविष्य में लाभ किस प्रकार अर्जित किया जाता है इसको आप अच्छी तरह जानते हैं। अतः समय समय पर धार्मिक कार्य कलाओं तथा दीन दुखियों की सेवा तथा सहायता करने के लिए भी धन खर्च करेंगे। अतः आप इसका सदुपयोग किसी आदर्श कार्य या ख्याति प्राप्त बड़ी कंपनी में पूंजी निवेश करके करेंगे। साथ ही जायदाद संबंधी क्रय विक्रय पर भी धन का व्यय कर सकते हैं। आपकी प्रवृत्ति धार्मिक एवं उदार होगी। आप मध्यावस्था में धनवान बनेंगे तथा सर्वत्र आपके लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे एवं अपनी दयालुता तथा दानशीलता के कारण समाज में ख्याति तथा सम्मान भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त भौतिक सुख संसाधनों या आवास की साज सज्जा पर भी व्यय करेंगे।

आपकी दूर समीप की यात्राएँ होती रहेगी। आप व्यापारिक या कार्यवश विदेश यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं जिससे आपको उचित लाभ एवं ख्याति प्राप्त होगी तथा आपका समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इन पर व्यय करने के बाद आपको लाभ एवं सम्मान प्राप्त होगा।

जिस जातक के जन्म समय में गुरु बारहवें भाव में होता है, वह व्यक्ति अपने द्रव्य दान को बहुत अहं के साथ अच्छे कार्यों में व्यय करता है। अपने यश और चारों तरफ अपने परिजनों में अपनी शान के लिए यह जातक दानादि कर्म करके उन्हें विज्ञापित करता है। इस जातक को एक और अहं का सद्व्यय करते देखा जाता है, गुरुजनों और बंधुजनों को यह जातक अपने उपकार के अहसान से दबाए रखता है। इसका धन चोर द्वारा भोगे जानेकी संभावना होती है। यह जातक विपुल धन

हानि, बन्धन, कर्ज, आवास परिवर्तन एवं मोक्ष

12



अग्नि तत्व

प्राप्त करता है। इसे राजा से भय होता है।

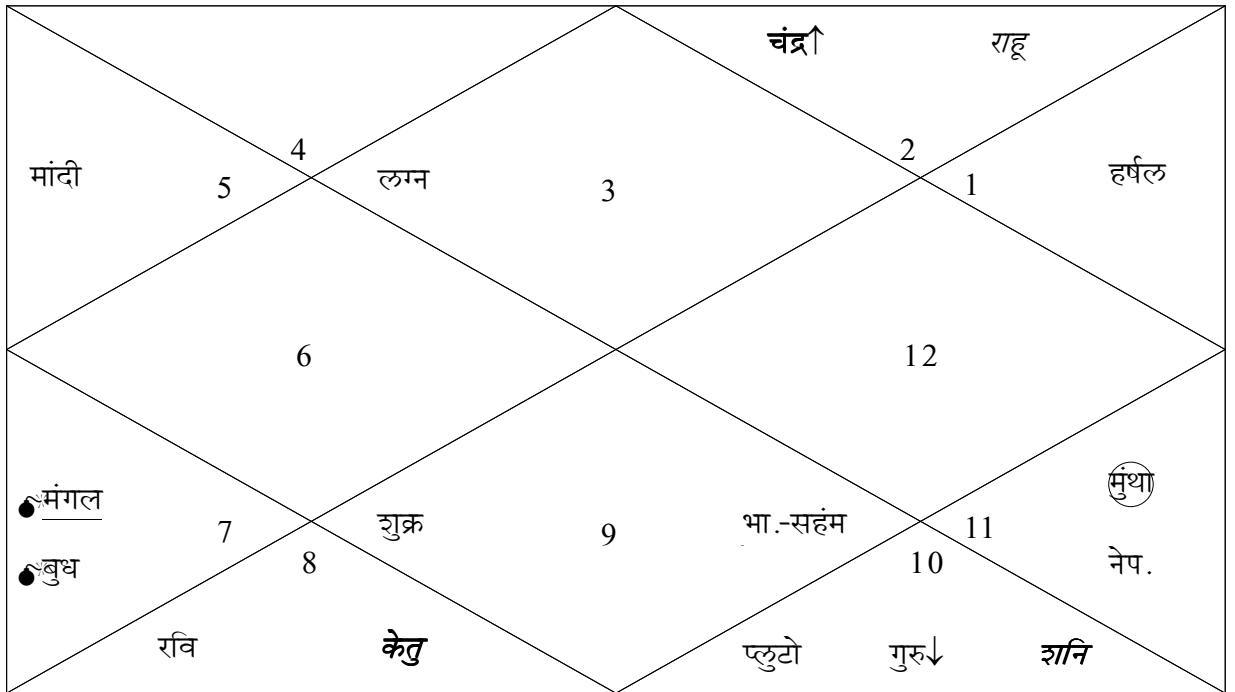
RADHIKA

वर्षफल : 2021

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	मिथुन 23:19:20	पुनर्वसु 1	बुध	गुरु	शनि	-
रवि	वृश्चिक 03:21:48	अनुराधा 1	मंगल	शनि	शनि	मृत
चंद्र	वृषभ 06:22:16	कृत्तिका 3	शुक्र	रवि	बुध	वृद्ध
मंगल	तुला 19:25:16	स्वाती 4	शुक्र	राहू	मंगल	वृद्ध
बुध	तुला 27:53:31	विशाखा 3	शुक्र	गुरु	शुक्र	मृत
गुरु	मकर 29:52:51	धनिष्ठा 2	शनि	मंगल	शनि	बाल
शुक्र	धनु 18:21:51	पू.षाढा 2	गुरु	शुक्र	राहू	वृद्ध
शनि (व)	मकर 14:00:24	श्रवण 2	शनि	चंद्र	गुरु	युवा
राहू (व)	वृषभ 07:37:03	कृत्तिका 4	शुक्र	रवि	केतु	वृद्ध
केतु (व)	वृश्चिक 07:37:03	अनुराधा 2	मंगल	शनि	केतु	वृद्ध
हर्षल	मेष 18:02:19	भरणी 2	मंगल	शुक्र	मंगल	वृद्ध
नेप.	कुंभ 26:17:08	पू.भाद्र 2	शनि	गुरु	केतु	मृत
प्लुटो	मकर 00:36:49	उ.षाढा 2	शनि	रवि	राहू	मृत
मांदी	सिंह 22:00:28	पूर्वा-फा. 3	रवि	शुक्र	शनि	-
भा.-सहंम	धनु 26:19:48	पू.षाढा 4	गुरु	शुक्र	केतु	-
मुंथा	कुंभ 06:37:22	धनिष्ठा 4	शनि	मंगल	चंद्र	-

वर्ष लग्न कुंडली



वर्षफल : 2021

आप 19/11/2021 से 24/11/2021 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 6 भाव मे है।

इस अवधि में आप जो भी करेंगे उसमे सफल रहेंगे। सभी समस्याओं का समाधान होता रहेगा और आप सफलता पायेंगे। शत्रुओं को पराजित कर देंगे और वे आपको नुकसान नहीं पहुंचा पायेंगे। आपका काम सफल होगा और नौकरी करने के हालातों मे सुधार भी होगा। प्रतिष्ठा एवं यश वृद्धि की संभावना है। आपको मान्यता मिलेगी और पदोन्नति भी होगी। सम्मान एवं साख भी प्राप्त करेंगे। सभी हिसाब से यह एक सफल समय रहेगा।

आप 25/11/2021 से 24/12/2021 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 12 भाव मे है।

अभी आप बहुत खर्च न करें। व्यय पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के लिहाज से भी बहुत अच्छा समय नहीं है। व्यर्थ की यात्राओं से बचें परामनोवैज्ञानिक एवम् गूढ़ अनुभवों को प्राप्त करने के लिये आपका झुकाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें कठोर भाषा से परेशानी में पड़ सकते हैं। सट्टेबाजी से बचें।

आप 25/12/2021 से 14/01/2022 तक मंगल ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में मंगल 5 भाव मे है।

आप सावधान रहें क्योंकि आपकी विवेक बुद्धि में चंचलता का भाव आ गया है। स्वास्थ्य एवम् पारिवारिक सदस्यों के कारण परेशानी पैदा होगी। सट्टेबाजी से बचें। कुछ ऐसे खर्चे भी करने पड़ेंगे जिनके कारण आप मानसिक नियंत्रण से बाहर होंगे। मित्र एवम् सहयोगियों से निराशा पायेंगे। फालतू यात्रा से थकान होगी।

आप 15/01/2022 से 10/03/2022 तक राहू ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में राहू 12 भाव मे है।

इस अवधि में निवास स्थान या नौकरी का परिवर्तन संभावित है। भारी व्ययसे आप व्यथित रहेंगे। अपने ही लोगों से झगड़े विवाद हो सकते हैं। यात्राएं थकाने वाली और सफल नहीं रहेगी। पारिवारिक सदस्य आपके प्रति उदासीन रहेंगे। शत्रु नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे दुष्ट मित्रों से

वर्षफल : 2021

सावधान रहें वे आपकी प्रतिष्ठा पर आंच लायेंगे। परिवार के किसी सदस्य की बीमारी चिन्ता का एक कारण रहेगा। अभी किसी यात्रा की योजना न बनाएं।

आप 11/03/2022 से 28/04/2022 तक गुरु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में गुरु 8 भाव में है।

मानसिक चिन्ताओं के कारण तकलीफ होगी। शारीरिक रोग से भी घिरे रह सकते हैं। मन को शांति नहीं मिलेगी। परिवार जनों के बर्ताव में भी फर्क रहेगा। लेकिन गूढ़ विज्ञान और परामनोविज्ञान में आपकी रूचि जागृत होगी। इन क्षेत्रों के कुछ अनुभव भी प्राप्त होंगे। अचानक धन लाभ होने की भी संभावना है। पूंजी निवेश का प्रयत्न न करें क्योंकि मन चाहा परिणाम प्राप्त नहीं होगा। मित्र व सहयोगी अपना वचन नहीं निभायेंगे। असुरक्षा की भावना सदैव विद्यमान रहेगी।

आप 29/04/2022 से 25/06/2022 तक शनि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शनि 8 भाव में है।

कोई महत्वपूर्ण चीज खोने का खतरा बना रहेगा। वरिष्ठ जनों या सत्ताधारी अफसरों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। लेन देन के व्यापार में हानि होने की भी संभावना है। आपके मित्र या सहयोगी अपना वचन नहीं निभाएंगे। परिवारजनों के व्यवहार में भी फर्क आ जाएगा। मानसिक वेदना की स्थिति आपके व्यवहार से परिलक्षित होती रहेगी। वैसे इस अवधि में गूढ़ ज्ञान या परामनोविज्ञान आदि क्षेत्रों से कुछ मदद मिल सकती है। अच्छा यही होगा कि अपनी योग्यता और प्रतिभा पर ही निर्भर करें। अगर वसीयत प्राप्ति के इच्छुक है तो वह अचानक प्राप्त होकर आपको चमत्कृत कर देगी। किसी के देहांत की खबर मिल सकती है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

आप 26/06/2022 से 16/08/2022 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 5 भाव में है।

इस अवधि में अपनी पैनी बुद्धि और सही अंदाज लगाने की क्षमता के कारण आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगे। आपकी कल्पना अत्याधिक सक्रिय रहेगी। नये उद्यमों में निश्चित सफलता प्राप्त करेंगे। यह समय प्रणय और रोमांस के लिये भी अच्छा है। आपके सृजन बोध की सराहना की जायेगी। पारिवारिक सुख बढ़ा चढ़ा रहेगा। मित्र और शुभ चिंतक पूरा सहयोग देंगे। इस अवधि के दौरान

वर्षफल : 2021

आप महत्वपूर्ण व्यक्तियों के सम्पर्क में आयेंगे। एक यादगार यात्रा होने की भी संभावना है।

आप 17/08/2022 से 07/09/2022 तक केतु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में केतु 6 भाव में है।

व्यापार धंधे में इस अवधि में आप बहुत अच्छा काम करेंगे। अगर नौकरी पेशा है तो नौकरी की हालतों में सुधार होगा। व्यापार के विस्तृत होने की संभावना है। आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान हर क्षेत्र से आपको सम्मान मिलेगा। परिवार जनों का व्यवहार अच्छा रहेगा। प्रतिस्पर्धा में सफल होंगे। अचानक यात्रा सौभाग्यकाल को पूरी तरह भुनाने के लिये यह श्रेयकर समय है।

आप 08/09/2022 से 07/11/2022 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 7 भाव में है।

इस अवधि में आपका सौजन्यता पूर्ण व्यवहार रहेगा और आप मनमुटाव से बचेंगे। एक आनंददायक यात्रा की प्रबल संभावना है। मित्र वर्ग का भी साथ रहेगा। संगीत व अन्य ललित कलाओं में और सुगंध एवम् सौन्दर्यपूर्ण वस्तुओं की ओर आपका झुकाव रहेगा। अपने व्यवसाय और व्यापार में आप बहुत अच्छा काम करेंगे। अपने प्रयत्नों से आप लाभ प्राप्त करेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। छोटी मोटी बीमारियाँ हो सकती हैं। आपका स्वभाव मिलनसार होगा और आप कई लोगों के संपर्क में आयेंगे।

आप 08/11/2022 से 20/11/2022 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 6 भाव में है।

इस अवधि में आप जो भी करेंगे उसमें सफल रहेंगे। सभी समस्याओं का समाधान होता रहेगा और आप सफलता पायेंगे। शत्रुओं को पराजित कर देंगे और वे आपको नुकसान नहीं पहुंचा पायेंगे। आपका काम सफल होगा और नौकरी करने के हालतों में सुधार भी होगा। प्रतिष्ठा एवं यश वृद्धि की संभावना है। आपको मान्यता मिलेगी और पदोन्नति भी होगी। सम्मान एवं साख भी प्राप्त करेंगे। सभी हिसाब से यह एक सफल समय रहेगा।

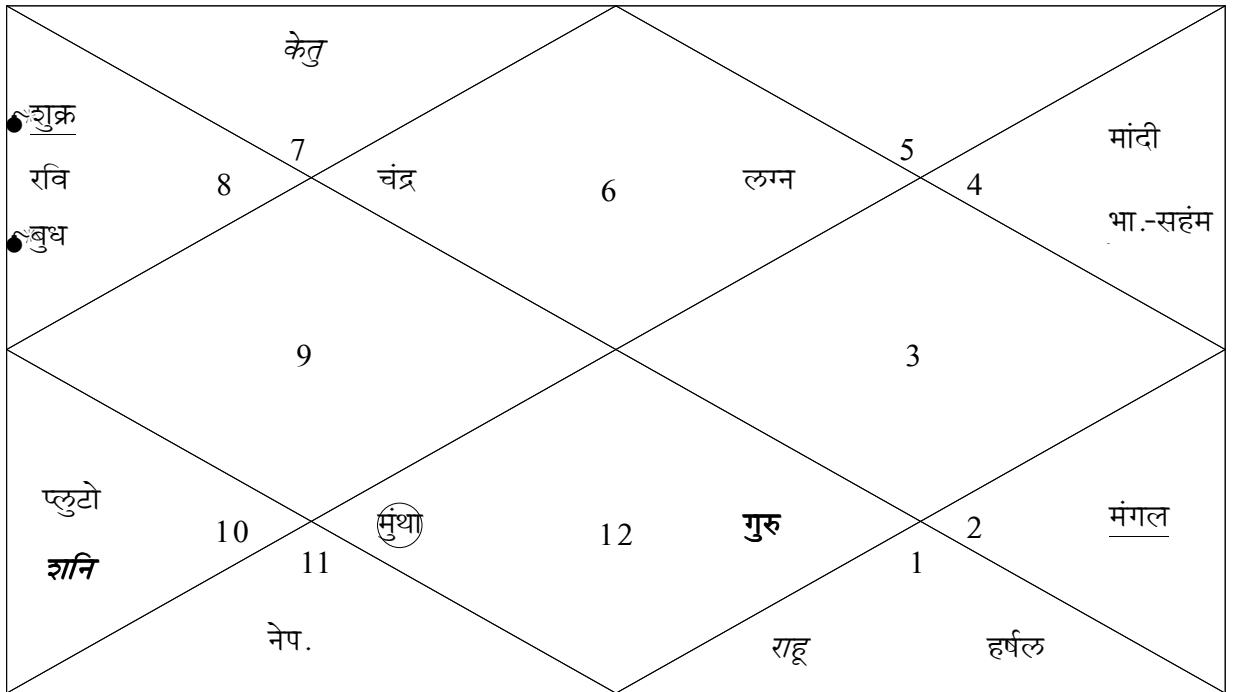
RADHIKA

वर्षफल : 2022

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	कन्या 16:19:54	हस्त 2	बुध	चंद्र	शनि	-
रवि	वृश्चिक 03:21:44	अनुराधा 1	मंगल	शनि	शनि	मृत
चंद्र	कन्या 11:38:21	हस्त 1	बुध	चंद्र	मंगल	वृद्ध
मंगल	वृषभ 28:27:18	मृग 2	शुक्र	मंगल	शनि	बाल
बुध	वृश्चिक 09:48:00	अनुराधा 2	मंगल	शनि	शुक्र	वृद्ध
गुरु	मीन 04:38:49	उ.भाद्र 1	गुरु	शनि	शनि	मृत
शुक्र	वृश्चिक 10:24:36	अनुराधा 3	मंगल	शनि	रवि	वृद्ध
शनि (व)	मकर 25:04:08	धनिष्ठा 1	शनि	मंगल	राहू	बाल
राहू (व)	मेष 18:15:39	भरणी 2	मंगल	शुक्र	राहू	वृद्ध
केतु (व)	तुला 18:15:39	स्वाती 4	शुक्र	राहू	चंद्र	वृद्ध
हर्षल	मेष 22:18:39	भरणी 3	मंगल	शुक्र	शनि	वृद्ध
नेप.	कुंभ 28:31:44	पू.भाद्र 3	शनि	गुरु	शुक्र	मृत
प्लुटो	मकर 02:21:37	उ.षाढा 2	शनि	रवि	गुरु	मृत
मांदी	कर्क 28:11:24	आश्लेशा 4	चंद्र	बुध	शनि	-
भा.-सहंम	कर्क 24:36:30	आश्लेशा 3	चंद्र	बुध	राहू	-
मुंथा	मीन 06:37:22	उ.भाद्र 1	गुरु	शनि	बुध	-

वर्ष लग्न कुंडली



मंगल >>> शुक्र >>> मंगल

वर्षफल : 2022

आप 19/11/2022 से 17/12/2022 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 1 भाव मे है।

इस अवधि में मिले जुले फल मिलेंगे। कई अच्छे अवसर मिलेंगे पर आप उनका पूरा उपयोग नहीं कर पायेंगे। स्वास्थ्य के कारण परेशान रहेंगे। मित्र परिवार और सहयोगियों के साथ बर्ताव में सतर्क रहें। यात्राएं सफल नहीं होंगी इसलिये इनसे बचें। मां बाप का रुग्ण स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा।

आप 18/12/2022 से 07/01/2023 तक मंगल ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में मंगल 9 भाव मे है।

बड़े बूढ़ों से सहयोग प्राप्त करेंगे। यात्रा स्थलों तक की गई लम्बी यात्राएं सफल सिद्ध होंगी। आमदनी बढ़ेगी और आय के नये स्रोत प्राप्त होंगे। यद्यपि खर्चे भी पढ़ेंगे लेकिन आमदनी से अधिक नहीं होंगे। सट्टे के द्वारा आय होने की भी संभावना है। इस अवधि में समय का पूरा सदुपयोग करें। लाभदायक होगा।

आप 08/01/2023 से 03/03/2023 तक राहू ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में राहू 8 भाव मे है।

इस अवधि के दौरान दुर्घटनायें आपकी मानसिक शांति भंग कर सकती है। प्रयासों में असफलता ही हाथ लगेगी। आपके भ्रम भयकारी और डरावती मनोविकृति बन सकते हैं। आपके साथी का बर्ताव आपको असहनीय मालूम पड़ेगा। धन्धे-व्यापार में भी काम अच्छा नहीं चलेगा। कुछ न कुछ परेशानियाँ आपको सदैव घेरे रहेंगी। स्वास्थ्य की समस्याओं के कारण आप सही प्रकार से अपने वचन नहीं निभा पायेंगे। गूढ़ विज्ञान की ओर आपकी रुचि जागृत होगी और कुछ अतीन्द्रिय अनुभव भी प्राप्त कर सकते है।

आप 04/03/2023 से 21/04/2023 तक गुरु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में गुरु 7 भाव मे है।

इस अवधि में आप वैवाहिक सुख भोगेंगे। व्यापार या नौकरी इत्यादि के विकासशील होने की अच्छी संभावनाएं रहेंगी। बहु प्रतिक्षित यात्रा करेंगे। परिवार का वातावरण भी सौमनस्यपूर्ण रहेगा। इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति होगी। आप निडर रहेंगे और शत्रुगण आपके सामने आने की

वर्षफल : 2022

हिम्मत नहीं करेंगे। दर्शन व साहित्य में रूचि जागृत होगी। विद्वानों से सम्पर्क बढ़ेंगे। आप अत्यधिक सम्मानप्रिय व्यक्ति समझे जायेंगे और विख्यात होंगे।

आप 22/04/2023 से 18/06/2023 तक शनि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शनि 5 भाव में है।

आपकी सृजनात्मक क्षमता इस अवधि में छुपी रहेगी और बुद्धि विवेक का भी हास होगा। इस मामले में अधिक ध्यान देने की जरूरत है जिससे आप सही निर्णय ले सकें। आपके परिवार में बच्चों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। मित्र व सहयोगी अपना वचन नहीं निभाएंगे। झूठी आशाओं पर निर्भर करना ठीक नहीं। यात्राएं सफल नहीं होंगी। आर्थिक समस्याएं मन की शांति को भंग करेंगी। जोखिम उठाने वाली प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाकर रखें।

आप 19/06/2023 से 09/08/2023 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 3 भाव में है।

आपकी मेहनत रंग लायेगी छोटी यात्राएँ अच्छा फल प्रदान करेंगी। विदेश स्थलों से अच्छी खबर मिलेगी। भाई बहनों से सहायता मिलेगी। नये लोगों से सम्पर्क आपके सौभाग्य के कारण बढ़ेंगे और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। अगर आप प्रकाशन या एजेन्सी के काम से संबंधित है तो शुभ परिणाम सामने आयेंगे। आपमें कलात्मक अभिव्यक्ति प्रकट होगी तथा भावनात्मक अभिनय की सहज प्रतिभा रहेगी।

आप 10/08/2023 से 31/08/2023 तक केतु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में केतु 2 भाव में है।

गन्दी भाषा बोलने के कारण अपने लोगों से भी आपकी दुश्मनी होने की संभावना है। इसलिये आपको अपनी वाणी पर पूरा नियंत्रण रखना चाहिए। खास तौर पर उन लोगों के प्रति जिनसे आपकी घनिष्टता है, नहीं तो गलतफहमी हो जायेगी और पैसे रुपये की हानि होने की संभावना है। अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ आपको निर्वाह संबंधी मुश्किलें आयेंगी। इस अवधि में कोई नये उद्यम शुरू न करें। इसी माह में आपके व्याधिग्रस्त होने की संभावना है। आत्मविश्वास की कमी आपमें स्पष्ट परिलक्षित होगी यह अच्छा नहीं है। आत्मीय जन भी काफी दूर हो जायेंगे।

वर्षफल : 2022

आप 01/09/2023 से 31/10/2023 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 3 भाव में है।

इस अवधि के दौरान आप अत्याधिक उत्साही और स्फूर्तिवान रहेंगे। छोटी यात्राएँ सुखद एवम् सुफलदायक रहेंगी। पारिवारिक सुख कायम रहेगा और भाई बहन खुशहाल और सुखी रहेंगे। आप तुरंत निर्णय ले सकने की स्थिति में होंगे और यह निर्णय सही होंगे। इस दौरान आपके पास अपना वाहन होगा। लोगों से आपके सम्पर्क बढ़ेंगे। नौकरी में पदोन्नति होगी। सौभाग्यशाली समय होने के कारण मनचाहा काम होता रहेगा।

आप 01/11/2023 से 18/11/2023 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 3 भाव में है।

घरेलू जीवन में आप सुखी रहेंगे और बहु प्रतिक्षित इच्छाएँ पूर्ण होंगी। इस अवधि में आप बहुत भ्रमण करेंगे। छोटी यात्राएँ भाग्यशाली सिद्ध होंगी और सुखद रहेंगी। धन लाभ के समाचार भी प्राप्त करेंगे। पारिवारिक मित्रों और रिश्तेदारों से सामाजिक संबंध और अच्छे होंगे। इस काल में स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

आप 19/11/2023 से 21/11/2023 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 1 भाव में है।

इस अवधि में मिले जुले फल मिलेंगे। कई अच्छे अवसर मिलेंगे पर आप उनका पूरा उपयोग नहीं कर पायेंगे। स्वास्थ्य के कारण परेशान रहेंगे। मित्र परिवार और सहयोगियों के साथ बर्ताव में सतर्क रहें। यात्राएँ सफल नहीं होंगी इसलिये इनसे बचें। मां बाप का रुग्ण स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा।